वर्ष-15, अंक-03 वि.सं. 2076, युगाब्द 5121 मई 2019 मूल्य : 20.00
सदस्यता शुल्क : संरक्षक : रु. 5000/- आजीवन : रु. 2000/- वार्षिक : रु. 200/-

मासिक पत्रिका

सेवा संवाद

शिक्षा कार्यक्रम

- विचार गोष्ठियाँ
- शैक्षिक सम्मेलन
- संस्कार केन्द्र एवं एकल विद्यालय
- कश्मीर के विस्थापित एवं पूर्वांचल वनवासी क्षेत्र के छात्रों को छात्रवृत्ति/सहायता
- महामना शिक्षण संस्थान की स्थापना

स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प

- स्वास्थ्य सेवा केन्द्र
- नेत्र चिकित्सा शिविर
- विकलांग सेवा शिविर
- पल्स पोलियो एवं टीकाकरण
- रक्तदान शिविर
- स्वास्थ्य परीक्षण शिविर
- सचल चिकित्सा सेवा
- माधव राव देवड़े स्मृति रुग्ण सेवा केन्द्र
- माधव सेवा आश्रम
- एम्स पॉवर ग्रिड, विश्राम सदन, नई दिल्ली
- नेत्र कुम्भ चिकित्सालय

जनजागरण कार्यक्रम

- प्रतिवर्ष व्याख्यानमाला का आयोजन
- प्रतिवर्ष सेवा-सम्मान का आयोजन
- प्रतिवर्ष युवा-साहित्यकारों का सम्मान
- साहित्य प्रकाशन, वितरण
- स्वच्छता एवं पर्यावरण के कार्यक्रम
- सामाजिक संस्थाओं को संरक्षण-सहायता
- "सेवा चेतना" अर्द्धवार्षिक पत्रिका का प्रकाशन
- "सेवा संवाद" मासिक पत्रिका का प्रकाशन

न राज्य चाहिए, न स्वर्ग, न मोक्ष,
चाहता हूँ पीड़ितों के कष्टों का नाश।

नर-सेवा, नारायण सेवा स्वास्थ्य-सेवा, राष्ट्र सेवा को समर्पित

भाऊराव देवरस सेवा न्यास

वार्षिक वृत्त 2018-19

(सेवा कार्यों एवं गतिविधियों की जानकारी)

भाऊराव देवरस सेवा न्यास

पदाधिकारी एवं न्यासी मण्डल

न्यास की कार्यसमिति

1.	डॉ0 कृष्ण गोपाल	नई दिल्ली	सं. न्यासी
2.	श्री ब्रह्मदेव शर्मा 'भाईजी'	लखनऊ	सं. न्यासी
3.	डॉ0 अवधेश प्रसाद सिंह	बरेली	अध्यक्ष
4.	श्री ओमप्रकाश गोयल	नोएडा	उपाध्यक्ष
5.	डा0 अनिल जैन	नई दिल्ली	उपाध्यक्ष
6.	डॉ0 देवेन्द्र प्रताप सिंह	वाराणसी	सचिव
7.	श्री राहुल सिंह	गाजियाबाद	सह–सचिव
8.	श्री रामनिवास जैन	लखनऊ	कोषाध्यक्ष

न्यासी मण्डल

1.	डॉ0 अवधेश प्रसाद सिंह	बरेली	अध्यक्ष
2.	श्री ओमप्रकाश गोयल	नोएडा	उपाध्यक्ष
3.	डा0 अनिल जैन	नई दिल्ली	उपाध्यक्ष
4.	डॉ0 देवेन्द्र प्रताप सिंह	वाराणसी	सचिव
5.	श्री राहुल सिंह	गाजियाबाद	सह–सचिव
6.	श्री रामनिवास जैन	लखनऊ	कोषाध्यक्ष
7.	श्री ब्रह्मदेव शर्मा 'भाईजी'	लखनऊ	सं. न्यासी
8.	डॉ0 कृष्ण गोपाल	नई दिल्ली	सं. न्यासी
9.	श्री जयप्रकाश अग्रवाल	नई दिल्ली	सं. न्यासी
10.	श्री ओमप्रकाश जी	लखनऊ	सं. न्यासी
11.	श्री सूर्यकान्त जालान	वाराणसी	न्यासी
12.	श्री वीरेन्द्रजीत सिंह	कानपुर	न्यासी
13.	डॉ0 मुरली मनोहर जोशी	नई दिल्ली	न्यासी
14.	श्री शिवकुमार	नई दिल्ली	न्यासी
15.	श्री विजय अग्रवाल	लखीमपुर	न्यासी
16.	श्री संजय गर्ग	हापुड़	न्यासी
17.	डा0 महेश शर्मा	नोएडा	न्यासी
18.	श्री अश्विनी कुमार गुप्त	लखनऊ	न्यासी
19.	श्री जितेन्द्र अग्रवाल	लखनऊ	न्यासी
20.	श्री मनोज अग्रवाल	नई दिल्ली	न्यासी
21.	श्री रामौतार किला	नई दिल्ली	न्यासी

विशेष आमंत्रित सदस्य

1.	श्री राजकुमार मेहता	नई दिल्ली
2.	श्री राकेश शर्मा	नई दिल्ली
3.	श्री सत्येन्द्र प्रकाश अग्रवाल	नई दिल्ली
4.	श्री नन्दकिशोर गर्ग	दिल्ली
5.	श्री सुधीर मोहन मित्तल	गाजियाबाद
6.	श्री कमलेश कुमार	गाजियाबाद
7.	श्री उपेन्द्र पारेख	अहमदाबाद
8.	श्री भवानीदत्त जोशी	नई दिल्ली
9.	श्री मोहन गोयल	रूद्रपुर
10.	डा0 दिनेश शर्मा	लखनऊ
11.	श्री विश्वनाथ खेमका	लखनऊ
12.	डॉ0 विजय कुमार कर्ण	लखनऊ
13.	श्री जयकृष्ण सिन्हा	लखनऊ
14.	श्री अशोक उपाध्याय	लखनऊ
15.	श्री विष्णु बंसल	दिल्ली
16.	श्री ओ0 पी0 श्रीवास्तव	लखनऊ
17.	श्री विजय अग्रवाल	लखनऊ
18.	श्री राजेश जी	कानपुर
19.	श्री महेश बाबू गुप्ता	नोएडा
20.	श्री कविश जैन	नई दिल्ली

माधव सेवा आश्रम संचालन समिति

1.	श्री रामनिवास जैन	लखनऊ	संयोजक
2.	श्री अश्विनी कुमार गुप्त	लखनऊ	सदस्य
3.	डॉ0 दिनेश शर्मा	लखनऊ	सदस्य
4.	श्री विश्वनाथ खेमका	लखनऊ	सदस्य
5.	डा0 मदन गोडबोले	लखनऊ	सदस्य
6.	श्री एस.के. अग्रवाल	लखनऊ	सदस्य
7.	श्री जितेन्द्र अग्रवाल	लखनऊ	सदस्य
8.	श्री ओ0 पी0 श्रीवास्तव	लखनऊ	सदस्य
9.	श्री सुभाष अग्रवाल	लखनऊ	सदस्य
10.	श्री कृष्ण कुमार अग्रवाल	लखनऊ	सदस्य
11.	श्री राहुल सिंह	लखनऊ	सदस्य

भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा प्रकाशित मासिक पत्र

सेवा संवाद

वर्ष-15, अंक-03 | वि.सं. 2076, युगाब्द 5121 | मई 2019 | मूल्य : 20.00

सदस्यता शुल्क : संरक्षक : रु. 5000/- आजीवन : रु. 2000/- वार्षिक : रु. 200/-

मार्गदर्शक

डॉ0 अवधेश प्रसाद सिंह
अध्यक्ष

डॉ0 देवेन्द्र प्रताप सिंह
सचिव

राहुल सिंह
सहसचिव

ब्रह्मदेव शर्मा
संस्थापक न्यासी

सम्पादक
डॉ. शिवभूषण त्रिपाठी
मो. 09451176775

सह सम्पादक
राजेश
मो. 09793120738

प्रबन्धक
विजय अग्रवाल
मो. 9415020996

मुद्रक एवं प्रकाशक
जितेन्द्र कुमार अग्रवाल
मो. 9415003111

कार्यालय : भाऊराव देवरस सेवा न्यास
सी-91, निरालानगर, लखनऊ (उ.प्र.) 226020
दूरभाष : 0522-4001837, 2789406
Email : sewasamwad@gmail.com

आलोक : *प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के निजी विचार हैं।*
प्रकाशक एवं सम्पादक का उससे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सहयोग राशि नकद अथवा चेक/बैंक ड्राफ्ट द्वारा 'सेवा संवाद (भाऊराव देवरस सेवा न्यास)' के पक्ष में जो लखनऊ में देय हो, भेजने की कृपा करें अथवा हमारे बैंक ऑफ इण्डिया, निराला नगर, लखनऊ (IFSC : BKID0006806) के खाता संख्या 680610110000102 में जमा/अन्तरित करा कर कार्यालय पते पर सूचित करने की कृपा करें।

इस अंक में

1.	अपनी बात	डॉ. शिवभूषण त्रिपाठी	5
2.	आत्मावलोकन	राजेश	7
3.	भाऊराव देवरस सेवा न्यास एक दृष्टि में		8
4.	भाऊराव देवरस सेवा न्यास–स्वास्थ्य प्रकल्प की वर्षवार उपलब्धियाँ		11
5.	माधव सेवा आश्रम द्वारा खिचड़ी भोज का आयोजन		12
6.	एम्स पावर ग्रिड विश्राम सदय ..... लाभार्थी विवरण		13
7.	भाऊराव देवरस सेवा न्यास और उसके सेवा प्रकल्प		14
8.	भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा "पं. प्रताप नारायण मिश्र स्मृति		16
9.	प्रकाशन		19
10.	यशस्वी प्रकल्प : माधव सेवा आश्रम		21
11.	24वाँ भाऊराव देवरस स्मृति – सेवा सम्मान समारोह		25
12.	स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प, अमेठी		27
13.	पावन स्मृति		28
14.	नेत्र कुम्भ नेत्र ज्योति यज्ञ का महाकुम्भ		29
15.	दिव्यांगजनों को उपकरण वितरण कार्यक्रम		31
16.	नेत्र चिकित्सा शिविर		32
17.	सेवार्थ एम्बुलेन्स का उपहार		33
18.	अन्त्योदय प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा केन्द्र, प्रयागराज की झललियाँ		34
19.	24वाँ भाऊराव देवरस स्मृति–सेवा सम्मान समारोह 2018–19		37
20.	राष्ट्र एवं महाकवि अटल बिहारी वाजपेई विषय पर केन्द्रित बाल कवि सम्मेलन		40
21.	नेत्रकुम्भ चिकित्सालय, का शुभारम्भ		41
22.	राष्ट्रीय शैक्षिक महासभा द्वारा आयोजित शैक्षिक गोष्ठी		42
23.	पं. दीन दयाल उपाध्याय की जीवन गाथा पर आधारित नौटंकी ..... की झलकियाँ		43

अपनी बात

कहते है कि–

जो जितना निर्मल रहे, करे त्याग अभिमान।
उसको उतना ही मिले, मान और सम्मान।।

'बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय' परहित सेवा करना और सेवा करने वाले को आदर–मान देना हमारी सनातन परम्परा रही है। इसी परम्परा का पालन करते हुए–संसार में ऐसे कितने ही लोग हैं जो अपने शरीर और सम्पूर्ण सामर्थ्य के साथ नर को नारायण मानकर उनकी सेवा में लगे हैं। अनेक संगठन हैं जिनके द्वारा सेवा के सामूहिक प्रयत्न चल रहे हैं। कोई सेवा बस्ती में जाकर गरीब बच्चों को पढ़ा रहा है तो कोई उनके लिए फीस और पुस्तकें जुटा रहा है। ऐसे ही लोगों में भाऊराव देवरस भी एक थे। राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत वे जीवन पर्यन्त उपनिषद् के इस महावाक्य **'तेनत्यक्तेन भुंजीथाः'** अर्थात् त्याग भाव से भोग के पालन और सेवा कार्यो में लगे रहे। उन्हीं की स्मृति में उन्हीं के नाम पर स्थापित ''भाऊराव देवरस सेवा न्यास'' सेवा कार्यो में अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण कर चुका है। यह न्यास प्रतिवर्ष अनेकानेक सेवा कार्यो को आनन्द और उल्लास के साथ करता आ रहा है। सेवा कार्यो की श्रृंखला में भारतीय प्रतिभाओं के सम्मान की सदिच्छा के साथ राष्ट्रीय महत्त्व के विषयों पर **व्याख्यानमाला का आयोजन,** लोकहित में उन विचारों को जन–जन तक प्रचारित–प्रसारित करना, इसी के साथ 40 वर्ष की आयु तक के युवा साहित्यकारों को प्रेरित एवं प्रोत्साहित करने के लिए युवा **साहित्यकार सम्मान** देना, तो इतना ही नहीं भारत के किसी भी भूभाग के उदारचेता राष्ट्रभक्त, सेवा कार्यो में अग्रगण्य, ऐसे **दो सेवाव्रतियों का 'सेवा सम्मान'** न्यास का स्थायी कार्य बन गया है।

जनजागरण हेतु **'सेवा संवाद'** मासिक एवं **'सेवा चेतना'** अर्द्धवार्षिक पत्रिका के माध्यम से श्रेष्ठ मूल्याधारित, सामाजिक हित के विविध विषयों पर आधारित, अनुभवी अच्छे चिन्तक, विचारवान कवि–लेखकों के विचारों का संकलन, लेख आदि का प्रकाशन कर समाज के हित साधन का प्रयास अबाध गति से किया जा रहा है। विगत वर्ष में सेवा सवांद मासिक के निम्नलिखित अंक हमने प्रकाशित किये हैं :

(1) समरसता अंक
(2) नारी अंक
(3) सामाजिक विकास ग्राम अंक
(4) वार्षिक वृत्त
(5) महर्षि श्री अरविन्द अंक
(6) युग पुरूष भारत रत्न
स्व0 अटल बिहारी वाजपेयी अंक
(7) नवरात्रि अंक
(8) भाऊराव देवरस अंक
(9) मदन मोहन मालवीय अंक
(10) स्वामी विवेकानन्द अंक

(11) सामाजिक समरसता के उपासक सन्त रैदास

(12) स्वामी रामकृष्ण परमहंस अंक।

सुरक्षा एवं ग्रामस्वराज विशेषांक जैसे विषय पर सेवा चेतना विशेषांक का प्रकाशन किया है।

प्रति वर्ष अच्छे विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति एवं समाज हित में कार्यरत संस्थाओं को आर्थिक सहायता देना भी न्यास का एक महत्त्वपूर्ण कार्य है। इसके अतिरिक्त स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प तो नियमित चल ही रहा है, साथ ही समाज में सामाजिक समरसता के लिए प्रतिवर्ष **सहभोज–खिचड़ी** के कार्यक्रम भी माधव सेवा आश्रम में आयोजित होते रहते हैं, जिसमें आबाल–वृद्ध, नर–नारी सभी बिना किसी भेदभाव के शामिल होकर आनन्द बिखेरते हैं। हर्ष की बात है कि न्यास के तत्त्वावधान में ही एस. जी.पी.जी.आई., लखनऊ के समीप चिकित्सार्थ आने वालों के आवासार्थ भोजन, पानी आदि सुविधाओं से युक्त बड़े भवन का निर्माण किया गया है जिसमें प्रतिवर्ष कुछ नये आवासीय कक्षों का निर्माण जुड़ता रहता है। माधव सेवा आश्रम की भाँति ही **एम्स पावर ग्रिड विश्राम सदन सफदरजंग, नई दिल्ली** में भी स्थापित है। न्यास द्वारा सम्पादित विविध सेवा कार्यो की उपयोगिता और उसकी गुणवत्ता देखकर हमारे समाज के बहुत से ऐसे लोग हैं जो समय–समय पर पत्रम्–पुष्पम् का योगदान करते रहते हैं और करना भी चाहते हैं। न्यास सदैव दानदाताओं की उदारता और उनके दान के प्रति आभारी है। निःस्वार्थ भाव से जुड़े अपने हितैषी बन्धुओं के आग्रह से नियमित रूप से प्रकाशित होने वाले स्तम्भों, लेखकों के विचारों आलेखों के साथ **'सेवा संवाद' के इस अंक को भाऊराव देवरस सेवा न्यास की वार्षिक रिपोर्ट 2018–2019 के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है।**

आशा है यह अंक न्यास के प्रति जानकारी देकर सेवार्थ दान करने के लिए आपको प्रेरित कर सके। इस सदिच्छा के साथ यह अंक आपको समर्पित है।

❐ **शिव**

आप भी लिखें

सेवा संवाद के आप सुधी पाठक हैं, आपके विचार, सुझाव हमारे लिए सदैव प्रेरणादायी रहे हैं। सेवा सम्बन्धी आलेख, सेवा के प्रेरक प्रसंग, सेवा कार्य के उल्लेखनीय व्यक्तित्व, सेवा सस्थानों का परिचय एवं उनके कार्य, सेवा को प्रोत्साहित करने वाली घटनाएं, काव्य–गीत, कथा–कहानी आदि विषयों पर सामग्री प्रकाशित करना हमारा उद्देश्य हैं। अस्तु आप से प्रार्थना है कि हमारी सीमाओं को ध्यान में रखते हुए अपना आलेख भेजकर हमारा सहयोग करने का कष्ट करें। प्रत्येक अंक में प्रकाशित आलेखों पर आप अपनी प्रतिक्रिया प्रेषित करें। पुनश्च, जिन बन्धुओं की वार्षिक सदस्यता शुल्क देय हो गये हैं तथा जो आजीवन ग्राहक बनना चाहते हैं उन सभी से प्रार्थना है कि अपेक्षित शुल्क भेज कर हमें अनुग्रहीत करें।

हमारा पता है–

E-mail : sewasamwad@gmail.com / sevasamvad@outlook.com

सेवा संवाद

सी-91 निराला नगर, लखनऊ - 226020 उत्तर प्रदेश

मो0 : 9450020514, 9454049918

❐

आत्मावलोकन

सेवा भाव के प्रेरक

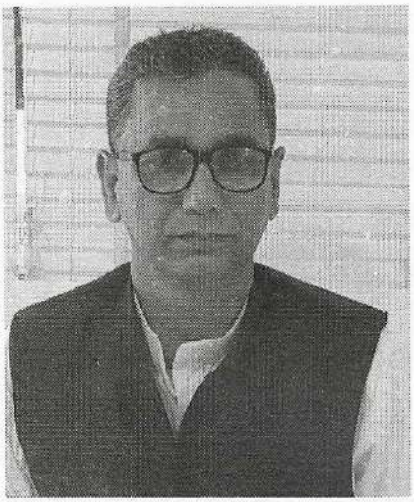

भाऊराव देवरस न्यास देश के सामाजिक कार्यों में जुटा है यह कार्य न्यास द्वारा गत 25 वर्षों से किया जा रहा है। भिन्न–भिन्न क्षेत्रों और स्थानों पर कार्य कर रहे है।

न्यास राष्ट्रीय एकात्म बोध का प्रतीक है। देश बहुत विशाल है, अनेक लोग शिक्षा, स्वास्थ्य और दो समय का भोजन भी बहुत से लोगों को उपलब्ध नहीं है। ऐसे अभावग्रस्त लोगों के पास वह लोग जाएं, जिनके पास क्षमता से अधिक है। उनको अभावग्रस्त लोगों के पास जाकर सहयोग करना चाहिए। आज हमारे पास जो कुछ है, वह हमारा नहीं परमात्मा का है, जो है वह इसी समाज का है, न्यास यही संदेश देता है, आज समाज में ऐसे कार्यों की अधिक आवश्यकता है जो सेवा से जुड़े हैं। हम सब एक मां के बालकों की तरह हैं। इसी तरह के भाव लेकर सैकड़ों बन्धु और खड़े हों। सभी अपने निकट देखें कोई अभावग्रस्त तो नहीं है। यही हमारी संस्कृति है।

सेवा के भाव को लेकर जब हम पीढ़ियों के बारे में सोच विचार करते है उन्नति महल से नहीं गरीब के घर से होगी। भाऊराव देवरस कर्मयोगी थे उन्होंने उत्तर प्रदेश में आकर संघ कार्य किया। उन्होंने कई कार्य क्षेत्र चुने और उनमें स्वयंसेवकों को भेजकर कार्य आरम्भ किया।

भाऊराव जी लखनऊ आये और उन्होंने यहां संघ कार्य शुरु किया। वर्ष 1937 से 1992 तक इस क्षेत्र में संघ कार्य किया। उत्तर प्रदेश में संघ कार्य का प्रारम्भ भाऊराव जी ने ही किया। उन्होंने एक–एक जिले में, एक–एक गांव में जाकर संघ कार्य को विस्तार दिया। जब संघ को कोई नहीं जानता था, उस समय उन्होंने संघ की शाखाएं आरम्भ की। भाऊराव जी ने दीनदयाल उपाध्याय, अशोक सिंहल जैसे स्वयंसेवक तैयार किये। भाऊराव जी ने न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि बिहार, बंगाल, असम में भी संघ कार्य को खड़ा किया। इन क्षेत्रों में आज जो संघ का कार्य है, वह भाऊराव जी के परिश्रम से ही खड़ा हुआ और पुष्पित पल्लवित हुआ है। उन्होंने इस कार्य के लिए अनेक स्वयंसेवकों को जीवन समर्पण के लिए प्रेरित किया।

सच्चे प्यार का अहसास किया जा सकता। इसे शब्दों में अभिव्यक्त करना न केवल मुश्किल है बल्कि असंभव भी है। सच्चे प्यार में गहराई इतनी होती है कि चोट लगे एक को, तो दर्द दूसरे को होता है, एक के चेहरे की उदासी से दूसरे की आँखें छलछला आती हैं। सच्चे प्रेम का 'पुष्प' कोमल भावनाओं की भूमि पर आपसी विश्वास और मन की पवित्रता के संरक्षण में ही खिलता और महकता है। अब यह हम पर निर्भर करता है कि इसकी कोमल पंखुड़ियों पर सामाजिक बदनामी की अम्ल वर्षा करें या इसकी जड़ों को विश्वास एवं समर्पण के अमृत से सींचें।

सम्पूर्ण मानव समाज के लिए प्रेम एक सर्वोत्तम सौगात है। प्रेम प्रकृति का वह अनमोल उपहार है जो मानव जाति के अस्तित्व हेतु अति आवश्यक है। यदि मनुष्य के हृदय से प्रेम समाप्त हो जाए तो मानव जाति के विनाश को शायद ही कोई न रोक सके।

❐ राजेश

भाऊराव देवरस सेवा न्यास एक दृष्टि में

प्रेरणा स्रोत :– स्व. भाऊराव जी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

न्यास की स्थापना :– 29 दिसम्बर 1993

मुख्यालय :– सी–91, निराला नगर, लखनऊ।

न्यास का उद्देश्य :

- न्यास का मूल उद्देश्य है सामाजिक एवं आर्थिक दृष्टि से पीड़ित शोषित तथा उपेक्षित वर्ग के लोगों का सर्वांगीण विकास और इसके लिए शिक्षा, स्वास्थ्य एवं संस्कार–केन्द्रों के माध्यम से विविध सेवा–प्रकल्पों की योजना बनाकर उन्हें संचालित करना। इसके अतिरिक्त जनजागरण के लिये समय–समय पर सामाजिक आयोजन करना।

न्यास के कार्यक्रम :

- प्रतिवर्ष एक व्याख्यानमाला का आयोजन।
- प्रतिवर्ष देश के सात युवा–साहित्यकारों का सम्मान।
- प्रतिवर्ष देश के दो सेवाव्रतियों का सम्मान।
- प्रतिवर्ष शीतकालीन निःशुल्क नेत्र–चिकित्सा शिविरों, विकलांग शिविरों के आयोजन।
- न्यास के स्वास्थ्य सेवा–प्रकल्प के माध्यम से सचल चिकित्सा–वाहनों द्वारा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में निःशुल्क स्वास्थ्य--सेवा–केन्द्रों का निरन्तर संचालन।
- निर्धन, असहाय एवं मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति देना।

प्रकाशन :

- 'सेवा चेतना' अर्द्धवार्षिक पत्रिका एवं 'सेवा संवाद' मासिक पत्र का नियमित प्रकाशन।

यशस्वी प्रकल्प :

- संजयगाँधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ के सामने 378 शैय्या वाले माधव सेवा आश्रम परिसर का संचालन जिसमें रोगी सहायक निवास, रोगी परामर्श केन्द्र एवं योग केन्द्र–साधना केन्द्र जैसे महत्त्वपूर्ण प्रभाग के साथ ही चिकित्सा हेतु आने वाले रोगियों एवं उनके तीमारदारों के ठहरने एवं भोजन की समुचित व्यवस्था है।।
- अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली में 280 शैय्या वाले पावरग्रिड विश्राम सदन निकट जेपी ट्रामा सेन्टर का संचालन। जिसमें चिकित्सा हेतु आने वाले रोगियों एवं उनके तीमारदारों के ठहरने एवं भोजन की समुचित व्यवस्था है।
- प्रयागराज उ0प्र0 में 12 जनवरी 2019 से 4 मार्च 2019 तक चलने वाले कुम्भ मेले में नेत्र कुम्भ का सफल संचालन। जिसमें कुल 2,02,020 रोगी पंजीकृत, कुल 1,55,210 लोगों को चश्मा वितरित।

आगामी योजनाएँ :

- आर्थिक दृष्टि से कमजोर मेधावी छात्रों हेतु मेडिकल, इंजीनियरिंग, सिविल सर्विसेस की तैयारी हेतु आवासीय कोचिंग व्यवस्था के अर्न्तगत ''महामना शिक्षण संस्थान'' की स्थापना।
- पं. दीनदयाल उपाध्याय स्वास्थ्य सेवा केन्द्र पारतोष, अमेठी (उ0प्र0) की स्थापना एवं उसका निर्माण।
- ऋषिकेश (उत्तराखण्ड) एवं कैंसर इन्स्ट्रीटयूट झंझर (हरियाणा) एवं भोपाल (म0प्र0) में भी माधव सेवा आश्रम की तर्ज पर सेवा करने हेतु भूमि आवंटन के लिए प्रयासरत

आवश्यकता :

- संकल्पित एवं समर्पित सेवाभावी कार्यकर्ताओं की एवं तन–मन–धन से आप सभी के सहयोग की।

भाऊराव देवरस सेवा न्यास

सी–91, निराला नगर, लखनऊ – 226020 (उ.प्र.)

फोन–फैक्स : 0522-4001837, 2789406, E-mail : bdsnyas@yahoo.co.in

सहकार निवेदन

पिछले 24 वर्षों में न्यास के सेवा कार्यों में जो उत्तरोत्तर वृद्धि हुयी है, उसमें किसी न किसी रूप में आपका ही स्नेह सहयोग रहा है। न्यास के पास आर्थिक संसाधनों की बहुत कमी है। न्यास द्वारा संचालित सेवा कार्य प्रभावित न हो अतः आयस्रोत को बढ़ाना होगा। न्यास द्वारा प्रस्थापित **कार्पस फण्ड** से प्राप्त होने वाली ब्याज राशि भी पूरी नहीं होती। अतएव लक्ष्य तक पहुँचने हेतु कार्पस फण्ड भी बढ़ाना होगा। समाज सेवा के क्षेत्र में गौरव को बढ़ाने वाले इस महत कार्य में जन-जन का सहयोग एवं सहकार अपेक्षित है। आप सभी उदारमना सेवाभावी महानुभावों के सहकार से ही यह न्यास सेवारत है।

न्यास के सेवा कार्यों हेतु आप इस प्रकार से सहयोग कर सकते हैं–

1. **सचल चिकित्सा सेवा के लिए**– रु. 11,000/- की मासिक धनराशि का सहयोग करके, एक सेवा बस्ती में अपनी ओर से निःशुल्क चिकित्सा सुविधा एवं औषधि का वितरण कराना।
2. **नेत्र चिकित्सा शिविर के लिए**– रु. 2000/- की धनराशि का सहयोग करके एक **मोतियाबिन्द पीड़ित** नेत्र रोगी का आपरेशन करवाकर नेत्र ज्योति प्रदान करना।
3. **विकलांग सहायता शिविर के लिए**– रु. 1,000/- से 6,000/- तक की राशि दे करके, एक विकलांग बन्धु की सहायता में उनके लिए कृत्रिम अंग, उपकरण, वैशाखी, ट्राईसाइकिल, ह्वील चेयर आदि की व्यवस्था कराना।
4. **कार्पस फण्ड (स्थायी निधि) के लिए**– रु. 10,000/- से अधिक की धनराशि का अर्पण करके, न्यास द्वारा संचालित सेवा कार्यों में उत्प्रेरक बनना।
5. **छात्रवृत्ति के लिए**– प्राथमिक रु. 3000/-, माध्यमिक रु. 5000/-, हाईस्कूल रु. 7000/-, इंटरमीडिएट रु. 8000/-, आईटीआई/डिप्लोमा रु. 10,000/-, स्नातक रु. 10000/-, परास्नातक रु. 12000/-, प्रतियोगी परीक्षाएँ रु. 15000/-, इंजीनियरिंग रु. 18000/- मेडिकल के छात्रों को रु. 20000/- की वार्षिक छात्रवृत्ति का सहयोग करके न्यास के माध्यम से पूर्वांचल और वनवासी क्षेत्र के बालकों के लिए वार्षिक छात्रवृत्ति भिजवाना।
6. **सेवा चेतना अर्द्धवार्षिक पत्रिका के लिए**– रु. 1,200/- की आजीवन सदस्यता ग्रहण करके तथा पत्रिका की विज्ञापन दरों के आधार पर अपनी क्षमतानुसार विज्ञापन के रूप में सहयोग करके सहायता करना।
7. **सेवा संवाद मासिक के लिए**– रु. 2,000/- की आजीवन एवं रु. 5,000/- की संरक्षक सदस्यता ग्रहण करके सहयोग करना।
8. **माधव सेवा आश्रम के लिए**– रु. 5,00,000/- का दान कर, एक कक्ष के निर्माण के द्वारा अपने किसी सम्बन्धी की स्मृति को स्थायी बनायें।

न्यास को सेवा कार्यों के लिए दिया गया दान आयकर अधिनियम की धारा 80G(5)(vi) के अन्तर्गत नियमानुसार करमुक्त है। अप्रवासी भारतीय भी दान दे सकते हैं। कृपया अपनी दानराशि चेक व ड्राफ्ट **भाऊराव देवरस सेवा न्यास** के पक्ष में जो **लखनऊ** में देय हो, अपने पैन नं. व पते के साथ भेज सकते हैं।

समाज सेवा-कार्यों हेतु आपसे अनुरोध है कि न्यास को यथा सम्भव अधिकाधिक सहयोग करें। दान की राशि आप सीधे हमारे खाते में भी जमा कर सूचित कर सकते हैं।

बैंक ऑफ इण्डिया, निरालानगर, लखनऊ बैंक खाता सं. **680610100009948 IFSC: BKID0006806**

भारतीय स्टेट बैंक, निरालानगर, लखनऊ बैंक खाता सं. **30448433657 IFSC: SBIN0003813**

आशा है सेवा के इस पुनीत कार्य में आप सभी अवश्य सहभागी बनेंगे।

भाऊराव देवरस सेवा न्यास स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प

(अ) सुदूर ग्रामीण अंचल एवं शहरी क्षेत्र की 6 सेवा बस्तियों में स्वास्थ्य केन्द्रों का संचालन

1 अप्रैल 2018 से 31 मार्च 2019 तक लाभान्वित रोगी विवरण

क्र.	सेवा केन्द्र	दिवस	माह फरवरी 2019 तक लाभान्वित रोगी	माह मार्च 2019 में लाभान्वित रोगी	कुल
1.	वेदान्त आश्रम, पपनामऊ	सोमवार	1133	46	1179
2.	सेवा समर्पण संस्थान बिन्दौवा	मंगलवार	2945	138	3083
3.	अम्बेदकरनगर	बुधवार	776	17	793
4.	51 शक्तिपीठ (बीकेटी)	गुरुवार	652	11	663
5.	अर्जुनपुर (बीकेटी)	शुक्रवार	43	00	43
6.	माधव सेवा आश्रम	शनिवार	338	53	391
	कुल लाभान्वित रोगी		**5887**	**265**	**6152**

(ब) माधवराव देवड़े स्मृति रुग्ण सेवा केन्द्र, सी-91, निरालानगर, लखनऊ

1.	एलोपैथिक	प्रत्येक कार्यदिवस	9087	645	9732
2.	होम्योपैथिक	प्रत्येक कार्यदिवस	5893	494	6387
	कुल लाभान्वित रोगी संख्या		**14980**	**1139**	**16119**

(स) रुग्ण सेवा केन्द्र, माधव सेवा आश्रम, लखनऊ

1.	होम्योपैथिक	प्रत्येक कार्यदिवस	2988	307	**3295**

1 अप्रैल 2018 से 31 मार्च 2019 तक कुल लाभान्वित रोगी सं. 25566

माधव सेवा आश्रम रायबरेली रोड, लखनऊ में प्रान्तशः ठहरने वाले लाभान्वित बन्धुओं की संख्या

क्र.	सेवा केन्द्र	माह फरवरी 2019 तक	माह मार्च 2019 में	योग सत्र 18–19
1.	उत्तर प्रदेश	62171	5871	68042
2.	उत्तराखण्ड	269	95	364
3.	बिहार	41966	3517	45483
4.	झारखण्ड	5974	485	6459
5.	उड़ीसा	520	56	576
6.	मध्य प्रदेश	3243	294	3537
7.	छत्तीसगढ़	644	68	712
8.	राजस्थान/गुजरात	101	02	103
9.	महाराष्ट्र	597	00	597
10.	नेपाल	1041	91	1132
11.	दिल्ली/पंजाब/हरियाणा	563	22	585
12.	पश्चिम बंगाल	938	34	972
13.	अन्य प्रान्त	782	13	795
	योग	**118809**	**10,548**	**129357**

भाऊराव देवरस सेवा न्यास–स्वास्थ्य प्रकल्प की वर्षवार उपलब्धियाँ

क्रम	वर्ष	नेत्र शिविर परीक्षण	नेत्र शिविर आपरेशन	विकलांग शिविर में वितरित उपकरण	लाभान्वित रोगी रूग्ण सेवा केन्द्र सी–91, निराला नगर, लखनऊ	लाभान्वित रोगी रूग्ण सेवा केन्द्र माधव सेवा आश्रम	लाभान्वित रोगी मलिन सेवा बस्ती 21.9.94 से	लाभान्वित रोगी 7 विशेष ग्रामीण सेवा बस्ती	विशेष शिविर दमा, मधुमेह आदि	पल्स पोलियो लाभान्वित बच्चे	माधव सेवा आश्रम में ठहरने वाले तीमारदारों / रोगियों की सं.
1.	1994–95	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
2.	1995–96	250	77	–	–	–	9453	–	–	10000	–
3.	1996–97	294	92	–	–	–	12400	–	–	–	–
4.	1997–98	258	69	–	–	–	–	–	–	–	–
5.	1998–99	850	189	–	–	–	101210	–	–	–	–
6.	1999–00	204	22	210	–	–	–	–	–	29799	–
7.	2000–01	166	112	105	–	–	79955	–	1403	5411	–
8.	2001–02	560	123	–	5237	–	42317	11804	–	2774	–
9.	2002–03	455	155	–	713172	– –	54215	7778			
10.	2003–04	1376	506	65	8269	–	55556	9054	425	–	–
11.	2004–05	878	336	53	7615	–	–	8517	–	–	–
12.	2005–06	615	276	40	7895	–	–	8335	–	–	–
13.	2006–07	133	19	–	8602	–	–	8348	2249	–	–
14.	2007–08	092	40	165	9863	3133	–	8841	–	–	–
15.	2008–09	–	–	–	13995	3709	–	9677	243	–	11055
16.	2009–10	108	48	–	14428	4699	–	6174	–	–	78324
17.	2010–11	467	170	299	13987	3957	–	6078	–	–	79053
18.	2011–12	109	68	–	14144	3649	–	6159	–	–	80322
19.	2012–13	277	128	–	11865	3959	–	6951	–	–	78462
20.	2013–14	70	59	–	13255	4421	–	6473	–	–	93870
21.	2014–15	224	70	54	12152	4454	–	5916	–	–	99235
22.	2015–16	249	93	510	12583	3707	–	6927	–	–	88296
23.	2016–17	2024	964	4051	15109	3432	–	6737	–	–	107826
24.	2017–18	351	137	–	15730	3304	–	8444	–	–	126236
25.	2018–19	265	169	–	16119	3295	–	6252	–	–	129357
	योग	**10275**	**3922**	**5552**	**207979**	**45719**	**355106**	**138365**	**5322**	**59984**	**972036**

माधव सेवा आश्रम द्वारा "खिचड़ी भोज" का आयोजन

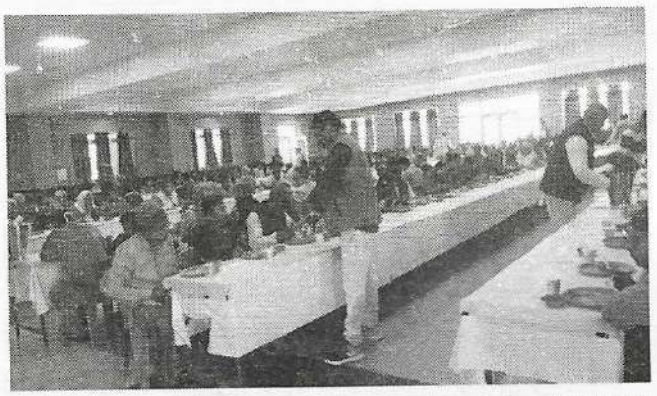

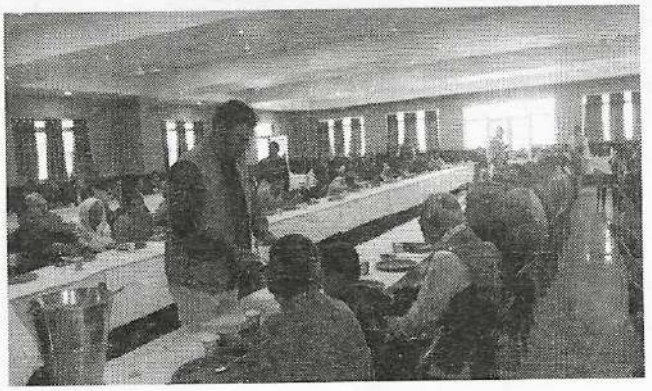

भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा संचालित माधव सेवा आश्रम में विगत वर्षों की भांति सामाजिक समरसता और सद्भाव स्थापित करने के उद्देश्य से इस वर्ष भी मकर संक्रान्ति के पावन अवसर पर रविवार दिनांक 20 जनवरी 2019, को मध्यान्ह 1.00 बजे से माधव सेवा आश्रम परिसर मे खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया। इस अवसर पर लगभग 12 सौ लोगों ने 2 फेरे में बैठकर सामूहिक भोज का आनन्द लिया।

इस कार्यक्रम मे माधव सेवा आश्रम संचालन समिति के सभी माननीय सदस्यों के साथ मा. ब्रह्मदेव शर्मा भाई जी के साथ पी.जी. आई. के माननीय डाक्टर्स आदि भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक मा. राम निवास जैन ने भोज में सम्मिलित सभी लोगों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की।

एम्स पावर ग्रिड विश्राम सदन सफदरजंग, नई दिल्ली में प्रान्तशः ठहरने वाले लाभार्थियों की संख्या जनवरी 2018 से 31 मार्च 2018 तक

Indian State/Country	Jan	Feb	March	Total
Bihar	70	121	145	336
Uttar Pradesh	93	51	105	249
Madhya Pradesh	17	30	42	89
Jharkhand	11	13	24	48
Rajasthan	15	16	8	39
West Bengal	9	5	21	35
Uttarakhand	8	7	9	24
Haryana	2	8	11	21
Nepal	5	6	7	18
Orissa	3	16	7	26
Jammu & Kashmir	3	2		5
Chhattisgarh		12		12
Assam	3	1		4
Gujrat	2		3	5
Himachal Pradesh		1	1	2
Maharashtra			4	4
Delhi			1	1
Tripura			1	1
Undefined	1	2	7	10
Punjab				0
Manipur	1			1
Andhra Pradesh			3	3
Chandigarh				0
Kerela			2	2
Sikkim				0
Telangana				0
Bangladesh				0
Tamil Nandu				0
Afghanistan				0
Annual Total	**243**	**291**	**401**	**935**

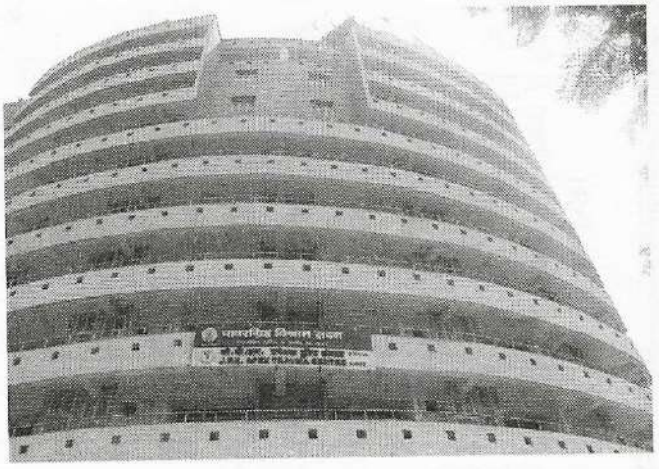

एम्स पावर ग्रिड विश्राम सदन सफदर जंग, नईदिल्ली में प्रान्तशः ठहरने वाले लाभार्थियों की संख्या
1 अप्रैल 2018 से 31 मार्च 2019 तक

Indian State/Country	April	May	June	July	August	September	October	November	December	January	February	March	Total
Bihar	169	178	188	277	306	268	256	294	323		347	360	2966
Uttar Pradesh	135	142	167	145	172	155	186	206	204	309	264	308	2393
Madhya Pradesh	52	60	88	71	64	37	53	70	57	93	96	70	811
Jharkhand	32	26	28	46	33	36	33	31	38	40	51	31	425
Rajasthan	28	35	31	45	31	8	24	29	35	46	360	58	730
West Bengal	33	27	20	26	23	26	38	49	28	35	37	38	380
Uttarakhand	24	23	24	19	40	19	22	29	30			12	242
Haryana	7	11	12	16	7	15	16	28	17	11	23	23	186
Nepal	14	3	3	8	20	8	9	4	18	19	15	16	137
Orissa	6	5	4	5	6	9	3		13	6	5	18	80
Jammu & Kashmir	4	7	8	4	5	10	9	8	9	21	28	25	138
Chhattisgarh	5	4		11	6	6	6	4	1	6	6	8	63
Assam	1	3	4	17	6	3		1	3	9	2	3	115
Gujrat	4	4	2	3	4		3		2			3	25
Himachal Pradesh			1	2		2		4	12		9	30	60
Maharashtra		8	2			5		2				3	20
Delhi		1	8	3	1	2	2	1	1		12	3	39
Tripura	2				5		3	5	4	4	4	10	37
Undefined	4	1		1		1			1				8
Punjab	1	7		1	1	3	1	2		3			19
Manipur	2	1	1		2	2	2	3	1	3			17
Andhra Pradesh			1						4				5
Chandigarh				8									8
Kerela	1					1			2	5	4	2	15
Sikkim					3	1							4
Telangana							3						3
Bangladesh								3					3
Tamil Nandu									2				2
Afghanistan									1				1
Annual Total	**524**	**546**	**592**	**708**	**735**	**617**	**669**	**773**	**806**	**610**	**1263**	**1021**	**8932**

भाऊराव देवरस सेवा न्यास और उसके सेवा-प्रकल्प

श्रद्धेय भाऊराव देवरस ने अपना जीवन मातृभूमि की सेवा में समर्पित करते हुए श्रेष्ठतम आदर्श प्रस्तुत किया। वे चाहते थे कि वनवासी, झुग्गी – झोपड़ी – वासी, जनजातियों एवं सामाजिक आर्थिक दृष्टि से अविकसित तथा उपेक्षित वर्ग के लोगों को समुचित शिक्षा तथा संस्कार देते हुए, उनके जीवन–स्तर को ऊपर उठा कर उन्हें राष्ट्र–जीवन की मुख्य धारा में सम्मिलित करने हेतु प्रयास किए जाएं।

इसी प्रेरणा से लखनऊ में न्यास की स्थापना दिनांक 29 दिसम्बर 1993 को हुई। माननीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी इसके प्रथम अध्यक्ष मनोनीत किये गये। यह न्यास मुख्य उपनिबंधक, लखनऊ के यहाँ दिनांक 31.12.93 को पुस्तक संख्या IV खण्ड 181 पृष्ठ सं. 353/371 में क्रम संख्या 1513 पर दर्ज है। न्यास का कार्य–क्षेत्र सम्पूर्ण भारत रखा गया। इस न्यास का पैन नं. AAATB1049G एवं टैन नं. LKNB05081G है।

उद्देश्य

सेवा–न्यास के मूल उद्देश्यों में सामाजिक एवं आर्थिक दृष्टि से पीड़ित, शोषित तथा उपेक्षित वर्ग के लोगों के सर्वांगीण विकास हेतु शिक्षा, स्वास्थ एवं संस्कार के माध्यम से विविध सेवा–प्रकल्पों की योजना बनाकर उन्हें संचालित करना है।

25वाँ पुष्प भाऊराव देवरस स्मृति व्याख्यानमाला सम्पन्न

भाऊराव देवरस की स्मृति में 'राम राज्य की अवधारणा :

शासन और समाज का दायित्व' विषय पर आयोजित 25 वें व्याख्यान माला कार्यक्रम, रविवार दिनांक 5 अगस्त 2018 को नोएडा स्थिति एफ 2 सभागार एमिटी विश्वविद्यालय सेक्टर–125 में, सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में पूज्य संत श्री विजय कौशल जी महाराज, स्वागताध्यक्ष के रूप में डॉ. ए. के. अग्रवाल तथा एमिटी विश्वविद्यालय के मा. आनन्द चौहान, केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री डॉ. महेश शर्मा, डॉ. अवधेश प्रसाद सिंह (अध्यक्ष न्यास), ओम प्रकाश गोयल (उपाध्यक्ष न्यास) मंच पर उपस्थिति रहे, जिन सबका आशीर्वाद मिला, कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व मुख्य न्यायाधीश, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के मा. कृष्ण कुमार लाहौटी जी कर रहें थे, कार्यक्रम का संचालन श्री महेश बाबू गुप्ता जी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नगर के प्रतिष्ठित बुद्धिजीवी एवं गण्यमान नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारम्भ में संरस्वती विद्या मन्दिर के भैया–बहिनो द्वारा सरस्वती वन्दना एकल गीत का गायन तथा अन्त में वन्दे मातरम गीत प्रस्तुत किया गया।

एमिटी यूनिवर्सिटी सभागार नोएडा का दृश्य

सभागार में उपस्थिति श्रोतागण

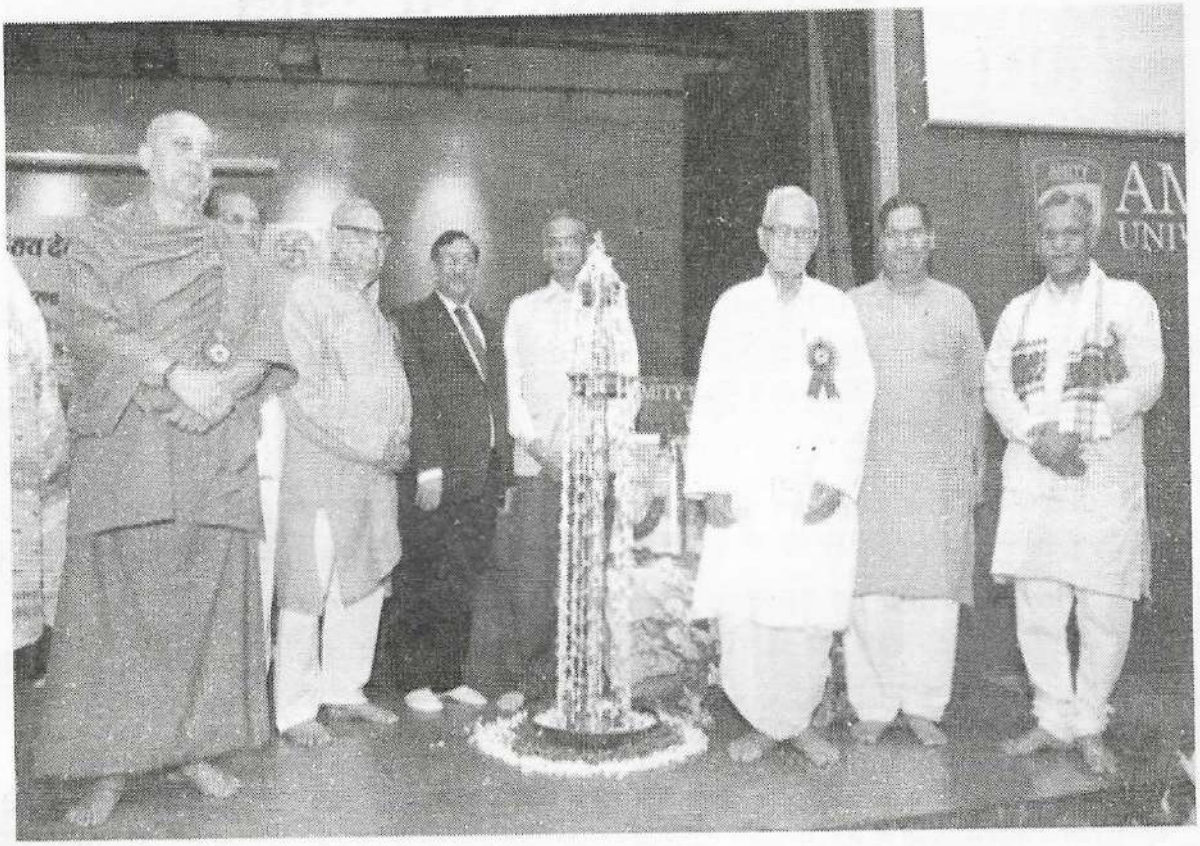

कार्यक्रम में दीप प्रज्ज्वलन करते मा. अतिथिगण

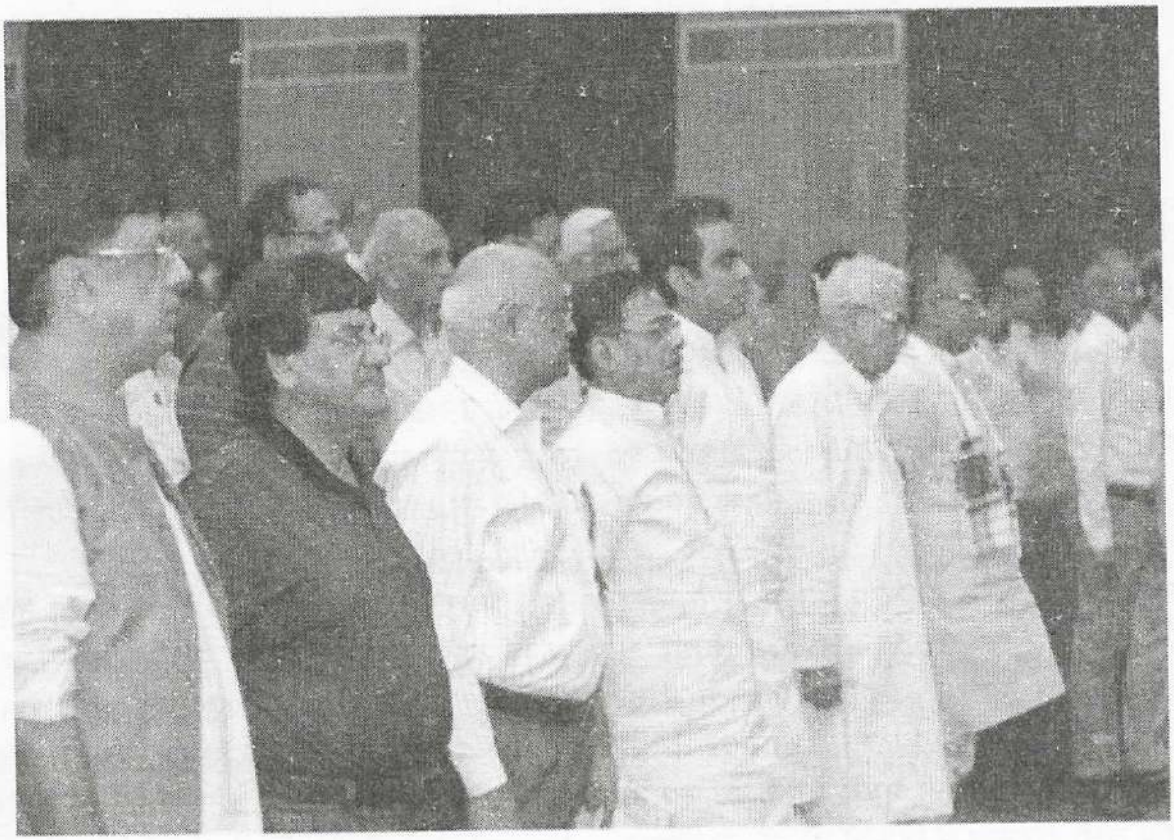

वन्देमातरम् के लिए खड़े महानुभाव

भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा "पं. प्रताप नारायण मिश्र स्मृति युवा साहित्यकार सम्मान" 2018

साहित्यकारों का काम शास्त्र की बात, अपना अनुभव और गुरू की बात को मिलाकर समाज और देश को नयी दिशा देने का होता है इसीलिए वह सम्मानीय होता है। समाज को दिशा देने का कार्य सदा से ही साहित्यकारों और रचनाकारों के हाथ में रहा है। विश्व की महान क्रान्तियों को भी साहित्य ने दिशा प्रदान की है।

यह बात शनिवार दिनांक 20 अक्टूबर 2018 को छत्तीसगढ़ संस्कृत विधान मण्डल में रायपुर के अध्यक्ष स्वामी परमात्मानन्द ने भाऊराव देवरस सेवा न्यास लखनऊ के तत्वावधान में माधव सभागार में 24वें "पं. प्रताप नारायण मिश्र स्मृति युवा साहित्यकार सम्मान" समारोह में व्यक्त की। उन्होंने कहा जब हमारे साहित्यकार लोकमगंल की कामना से ओतप्रोत रचनाएं करेगें तभी समाज और राष्ट्र को नयी दिशा दी जा सकेगी।

मुख्य अतिथि के रूम में मौजूद सांसद डा. अशोक बाजपेई ने रचनाकारों को देश को दिशा प्रदान करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि लेखक, कवि, पत्रकार व साहित्यकार और समाज को चेतना प्रदान करने में अग्रणी भूमिका अदा करता है। उसके सृजन की महत्ता को सभी को स्वीकार करना होगा। उन्होंने कहा कलम के यही सिपाही राष्ट्र के सच्चे मार्गदशक हैं। वे अपने सृजन के माध्यम से वर्तमान समाज की पथभ्रष्टता को सन्मार्ग पर ला सकते हैं।

सम्मान समारोह में काव्य विधा में मुरादाबाद की सुश्री आफरीन को, कथा–साहित्य विधा में भोपाल के अभिषेक लाड़गे, पत्रकारिता विधा में के अभिषेक शर्मा, बाल–साहित्य विधा में कानपुर देहात के शिव मोहन यादव, बांग्ला भाषा में कोलकाता के राकेश दास तथा संस्कृत में दिल्ली के डा. ऋषिराज पाठक को पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार स्वरूप इन सभी को दस हजार की धनराशि, अंगवस्त्र, श्रीफल व स्मृति चिह्न के साथ ही पं. प्रताप नारायण मिश्र रचित साहित्य भी प्रदान किया गया। संयोजक डा. विजय कर्ण ने कहा कि जिन 40 वर्ष की आयु तक के साहित्यकारों के रचनाओं से युवाओं में देशभक्ति, मातृ–पितृ भक्ति भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान और श्रद्धा भर रहे हैं, ऐसे छह साहित्यकारों का सम्मान न्यास प्रतिवर्ष करता है। इस अवसर पर डा. विजय कर्ण ने हिन्दी, संस्कृत एवं क्षेत्रीय भाषाओं को एक दूसरे का पूरक बताया।

कार्यक्रम न्यास के संरक्षक पद्मश्री भाई जी के संरक्षण में हुआ। कार्यक्रम में कौशलेन्द्र पाण्डेय ने प्रस्तावना दी और आये हुए अतिथियों का स्वागत पवन सिंह चौहान ने किया। न्यास का परिचय विनीत जी ने वृत्तचित्र के माध्यम से दिया। कोषाध्यक्ष राम निवास जैन ने धन्यवाद ज्ञापित किया। समारोह में कार्यक्रम में प्रो. लवकुश मिश्र, अरूण गुप्त, संदीप शिवहरे, प्रो. मनोज अग्रवाल, प्रो. पीआर पाल के साथ ही कई महाविद्यालय और विश्वविद्यालय के अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत अनुज चौबे और साथियों ने वैदिक मंगलाचरण से तथा समापन नीरा मिश्रा की ओर से पेश वंदेमातरम से हुआ।

विभिन्न संस्थाओं को सहायता (वर्ष 2018–19)

(अ) भारतीय संस्कृति एवं जीवन मूल्यों को पोषित करने वाली राष्ट्रीय विचारों की शिक्षण संस्थाओं को चलाना, शिक्षा के उन्नयन हेतु सभी प्रकार की शिक्षण संस्थाओं को सहायता देना भी न्यास का एक उद्देश्य है। इन्हीं उद्देश्यों की पूर्ति हेतु समान विचारधारा वाली संस्थाओं को भाऊराव देवरस सेवा

समाज को दिशा देते हैं साहित्यकार : वाजपेयी

पं. प्रताप नारायण मिश्र स्मृति युवा साहित्यकार सम्मान समारोह में बोले सांसद

निराला नगर स्थित माधव सभागार में रविवार को भाऊराव देवरस सेवा न्यास की ओर से पं. प्रताप नारायण मिश्र स्मृति युवा साहित्यकार सम्मान समारोह हुआ। इसमें उत्कृष्ट लेखन के लिए युवा साहित्यकारों को सम्मानित किया गया।

निराला नगर माधव सभागार में रविवार को भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा आयोजित पंडित प्रताप नारायण मिश्र स्मृति युवा साहित्यकार सम्मान समारोह में सम्मानित साहित्यकार और पत्रकार।

न्यास द्वारा सहायता प्रदान की जाती है। वर्तमान वर्ष 2018–19 के अन्तर्गत जिन संस्थाओं को सहायता प्रदान की गई उनका विवरण इस प्रकार है–

क्र.	संस्था का नाम	धनराशि (रु.)
1.	वरदान सेवा संस्थान, गाजियाबाद	10,000/-
2.	दिव्य प्रेम सेवा मिशन न्यास हरिद्वार	10,000/-
3.	अरूण चेतना, बंगलौर	10,000/-
4.	माधव नेत्र पेठी, नागपुर	10,000/-
5.	शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली	10,000/-
6.	मातृभूति सेवा मिशन	10,000/-

	कुरूक्षेत्र	
7.	स्वामी विवेकानन्द हेल्थ मिशन सो. देहरादून	10,000/-
8.	प्रबोधिनी ट्रस्ट, चिकमंगलूर, कर्नाटक	10,000/-
9.	भारतीय कुष्ठ निवारक संघ, चांपा	10,000/-
10.	बालासाहब भा.दे.से.न्यास कारंजा	10,000/-
11.	पुनुरुत्थान ट्रस्ट, अहमदाबाद	10,000/-
12.	कल्याणँ करोति अयोध्या (फैजाबाद)	1,00,000/-
14.	विवेकानन्द स. विद्यालय अरूणाचल प्रदेश	10000/-
15.	MADHAVARAYAR BALARPALLI MANTRAMGOKUL GANGA SHIL TAMIL NADU	10000/-
	कुल धनराशि	रु. 2,30,000/-

भाऊराव देवरस छात्रवृत्ति (वर्ष 2018–19)

(ब) न्यास गतिविधियों के अतिरिक्त सुदूर क्षेत्रों के चयनित मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति देकर उन्हें शिक्षा–क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करता है। जूनियर हाईस्कूल, हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट, स्नातक, परास्नातक छात्रों के साथ इंजीनियरिंग, मेडिकल तथा सिविल की तैयारी कर रहे जम्मू–कश्मीर, सिक्किम, गोहाटी, पूर्वांचल क्षेत्र, कश्मीर के विस्थापित एवं वनवासी क्षेत्र के छात्रों को प्रतिवर्ष छात्रवृत्तियाँ न्यास द्वारा प्रदान की जाती है। वर्तमान वर्ष 2018–19 के अन्तर्गत जिन 132 छात्रों को छात्रवृत्तियाँ दी गई है उनका विवरण इस प्रकार है:–

क्र.	संस्था का नाम	छात्र	धनराशि (रु.)
1.	दिव्य प्रेम सेवा मिशन न्यास, हरिद्वार	13	91000/-
2.	वनवासी विकास समिति, रायपुर (छ.ग.)	3	18000/-
3.	वनांचल शिक्षा सेवा न्यास रायपुर	2	8000/-
4.	उत्तरांचल दैवी आपदा पीड़ित सहायता समिति, प्रकल्प सेवा आश्रम, उत्तरकाशी	16	80000/-
5.	वनवासी कन्या छात्रावास जगतपुर, रूद्रपुर ऊधमसिंहनगर	6	30000/-
6.	विद्या भारती सिक्किम, गंगटोक	13	30000/-
7.	राष्ट्र सेविका समिति मथुरा	2	6000/-
8.	सेवा प्रकल्प संस्थान (प.उ.प्र. उत्तराखण्ड)	5	40000/-
9.	सेवा समर्पण संस्थान मोहनलालगंज लखनऊ	3	15000/-
10.	दौलतराम रवाल्टा स.वि.म. इण्टर कालेज मुगेरा नौगांव उत्तरकाशी	3	20000/-
11.	भारतीय शिक्षा समिति जम्मू	1	18000/-
12.	सेवा भारती पूर्वांचल असम–781007	19	182000/-
13.	जनशिक्षा समिति अवध पूजा मिश्रा / डा0 वासुदेव मिश्रा इकौना श्रावस्ती	1	8000/-
14.	भारतीय विधा निकेतन केरल एवं		
15.	श्री शंकर विद्या निकेतन केरल	25	100000/-
16.	BHARATIYA VIDYA NIKETAN HIGH SCHOOL, CHOGLAMSAR	19	1,14,000/-
17.	एन0 सागरिका,	1	7,66,0000/-
	कुल धनराशि	**(132)**	**15,36,000/-**

रोगियों को किट सहित 16 मोबाइल, 111 स्मार्ट केन सहित कुल 5552 विकलांग बन्धुओं को लाभान्वित किया जा चुका है। 10,275 नेत्ररोगियों के परीक्षण किए गए जिनमें 3,922 मोतियाबिन्द रोगियों के आपरेशन कर नेत्र ज्योति प्रदान की गयी। इसके अतिरिक्त विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों यथा–दमा, मधुमेह, हृदय रोग आदि में 5322 रोगी लाभान्वित हुए हैं। इस प्रकार से अब तक कुल 7,47,169 रोगी लाभान्वित हुए हैं। वित्तीय वर्ष 2018–19 में 27,478 रोगी लाभान्वित हुए। वित्तीय वर्ष 2018–19 के अर्न्तगत लाभान्वित रोगी एवं माधव सेवा आश्रम में ठहरे बन्धुओं की संख्या 1,29,357 रही।

निःशुल्क मोतियाबिन्द शिविर का आयोजन (19 नवम्बर 2018) बिन्दौवा, मोहनलालगंज :

भाऊराव देवरस सेवा न्यास, स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प, लखनऊ द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किये जा रहे, निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर के क्रम में इस वर्ष शिविर का आयोजन सेवा समर्पण संस्थान निकट विन्दौवा कुष्ट आश्रम, मोहनलालगंज, लखनऊ में किया गया। इस शिविर में मोहनलालगंज, निगोहां तथा बछरावाँ क्षेत्र के लगभग 265 बन्धुओं ने अपने नेत्र का परीक्षण कराया। सभी नेत्र रोगियों का परीक्षण इन्दिरा गाँधी नेत्र चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र, लखनऊ की चिकित्सीय टीम ने किया। जिसमें 169 मोतियाबिन्द प्रभावित रोगियों का नेत्र आपरेशन हेतु चयनित करके उनका आपरेशन इन्दिरा आई हास्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर लखनऊ में विभिन्न तिथियों में किया गया। इस अवसर पर न्यास के कोषाध्यक्ष व न्यासी इं0 रामनिवास जैन, सेवा समर्पण संस्थान के डॉ. कृपाशंकर पाण्डेय, डॉ. आर. वी. शाह तथा अनेक गणमान्य नागरिक, न्यास के कार्यकर्ता आदि उपस्थित थे।

व्रत-त्यौहार मई 2019

दिनांक	दिन	व्रत–त्यौहार
1.	सोमवार	श्रमिक दिवस।
2.	मंगलवार	प्रदोष व्रत।
3.	बुधवार	मास शिवरात्रि व्रत
4.	गुरूवार	स्नान–दान–श्राद्ध अमावस्या।
6.	शनिवार	चन्द्रदर्शन, शिवजी जयंती।
7.	रविवार	अक्षय तृतीया, परशुराम जयंती, रविन्द्रनाथ टैगोर जयंती, मु.रमजान रोजा शुरू।
8.	सोमवार	वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत।
10.	बुधवार	श्रीरामानुजाचार्य जयंती।
11.	गुरूवार	गंगा सप्तमी, कृतिका के सूर्य।
13.	शनिवार	सीता नवमी, जानकी प्राकट्योत्सव, मातृ दिवस।
15.	सोमवार	मोहिनी एकादशी व्रत सबका, वृष संक्रांति दिन 2:37
16.	मंगलवार	प्रदोष व्रत।
17.	बुधवार	नृसिंह चतुर्दशी व्रत, श्रीनृसिंह प्राकट्योत्सव।
18.	गुरूवार	स्नान–दान–व्रत, पूर्णिमा, वैशाखी पूर्णिमा, बुद्ध जयंती।
20.	शनिवार	देवर्षि नारद जयंती।
22.	सोमवार	सं. गणेश 4 व्रत चं.उ.रा.9:56।
25.	गुरूवार	रोहिणी के सूर्य रात 12:52।
27	शनिवार	शीतलाष्टमीव्रत, त्रिलोचनाष्टमी।
30	मंगलवार	अचला एकादशी व्रत।
31	बुधवार	प्रदोष व्रत, वटसावित्री व्रत आरंभ–उ.भा., जुमा अलविदा।

यशस्वी प्रकल्प : माधव सेवा आश्रम

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में प्रदेश का एक महत्वपूर्ण चिकित्सा संस्थान है–संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (SGPGI)। सम्पूर्ण भारत के सर्वाधिक महत्वपूर्ण तीन चिकित्सा संस्थानों में एक है। इस संस्थान में व्यापक रूप से सुयोग्य डाक्टरों की देख–रेख में अधिकाधिक रोगों के उपचार की उत्तम व्यवस्था है अतः इस चिकित्सालय में रोगी दूर–दूर से उपचार हेतु आते हैं।

चिकित्सालय लखनऊ रायबरेली मार्ग पर स्थित है। सामान्यतः रोगियों को वहाँ तक पहुँचने में कठिनाई होती है, यह कठिनाई तब और बढ़ जाती है जब अन्य नगरों से आने वाले रोगियों के साथ उनकी सेवा–सहायता के लिए उनके सगे–सम्बन्धी, परिवारीजन, एवं अन्य सहयोगी आते हैं और उन्हें रोगी की परिचर्या–काल में वहाँ निवास करना पड़ता है। संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान में रोगियों के सहायकों के निवास के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी। लखनऊ नगर से दूर होने के कारण प्रतिदिन वहाँ से आकर रोगियों को उनके परिजन निकट से उनकी सेवा–सहायता नहीं कर सकते, अतः इन सबके निवास की व्यावहारिक और गम्भीर समस्या थी भाऊराव देवरस सेवा न्यास ने सेवा के रूप में इस कार्य को स्वीकार किया और इस चिकित्सा संस्थान के ठीक सामने राष्ट्र सेवा के अखण्ड साधक परम पूज्य श्री माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर (श्री गुरुजी) के नाम पर माधव सेवा आश्रम नाम से एक सेवा–परिसर का निर्माण किया गया। उत्तर प्रदेश शासन ने भाऊराव देवरस सेवा न्यास की विश्वस्तता के आधार पर इस हेतु संजय गाँधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान के ठीक सामने पाँच हजार वर्ग मीटर का भूखण्ड इस प्रस्तावित योजना के लिए प्रदान कर दिया।

माधव सेवा आश्रम की एक संचालन समिति का गठन किया गया है, जिसमें लखनऊ नगर के गणमान्य सेवाभावी कर्मठ सज्जन सम्मिलित किए गए हैं। आश्रम का भूमि–पूजन व शिलान्यास दिनांक 29 मार्च 2001 को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सहसरकार्यवाहक माननीय मदनदास जी एवं तत्कालीन मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश श्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश शासन के पूर्व मंत्री श्री ओमप्रकाश सिंह व श्री लालजी टण्डन की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। आश्रम के चार प्रभाग हैं–**(1) रोगी सहायक निवास (2) रोगी परामर्श केन्द्र (3) योग केन्द्र और (4) साधना केन्द्र।**

रोगी सहायक निवास

रोगी सहायक निवास भवन का निर्माण माधव सेवा आश्रम का केन्द्रीय और उसके उद्देश्य को साकार करने वाला आवश्यक और महत्वपूर्ण प्रभाग है। इसके दो भाग हैं– संयुक्त आवास कक्ष और दूसरा एकल आवास कक्ष। प्रकृति के स्वच्छ एवं स्वाथ्योपयोगी वातावरण में वृक्षावलियों और लतापुष्पों के मध्य भव्य तिमंजिला संयुक्त रोगी सहायक निवास बनाकर समाज के लिए पूर्ण रूप से तैयार किया गया। इस भवन के भूतल व प्रथम तल का लोकार्पण दिनांक 28 जून 2002 को तत्कालीन भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के कर कमलों द्वारा उ0प्र0 के राज्यपाल आचार्य विष्णुकान्त शास्त्री, उ0प्र0 की मुख्यमंत्री सुश्री मायावती की गौरवमयी उपस्थिति में सम्पन्न कराया गया।

एकल आवास कक्ष (प्रथम तल) का लोकार्पण दिनांक 18 जनवरी 2005 को प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मा0 कल्याण सिंह एवं पूज्य स्वामी मुक्तिनाथानन्द जी महाराज, अध्यक्ष रामकृष्ण मठ, लखनऊ के कर कमलों द्वारा किया गया। एकल आवास कक्ष (द्वितीय तल) का लोकार्पण दिनांक

24 दिसम्बर 2006 को मा0 मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ डॉ0 रमन सिंह के कर कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ।

योगभवन के ऊपर बने नवनिर्मित एकल आवास कक्ष (प्रथम तल) पर ''प्रो0 राजेन्द्र सिंह 'रज्जू भैया' सदन'' का लोकार्पण 29 मार्च 2016 को परमपूज्य सरसंघचालक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, मा0 मोहन भागवत द्वारा किया गया है।

रोगियों के सहायकों तीमारदारों के लिए सुविधा के नाम तख्त, गद्दा, चादर, तकिया, शौचालय, स्नानागार पेयजल उपलब्ध है।

यहाँ पर लगभग सभी प्रान्तों से उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, बिहार, झारखण्ड, उड़ीसा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, प. बंगाल एवं नेपाल से लोग आते हैं। एक सार्वजनिक भोजनालय जानकी रसोई भी चलती है जिसमें तीमारदारों के निमित्त रु0 25/– के हिसाब से भोजन तथा रु0 10/– के हिसाब से जलपान उपलब्ध है। रोगी सहायक निवास में लिफ्ट भी लगी है जिसका उद्घाटन 08 मई 2013 को सहसरकार्यवाहक माननीय डॉ0 कृष्ण गोपाल जी के कर कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ।

माधव सेवा आश्रम में प्रतिवर्ष लगभग ठहरने वालों की संख्या एक लाख की रहती है। एक साथ एक दिन में तीन सौ बन्धु ठहर सकते थे जो अब बढ़कर लगभग 400 बन्धुओं की व्यवस्था हो गयी।

लक्ष्मण श्रीकृष्ण भिड़े रोगी परामर्श केन्द्र

इस भवन का निर्माण सांसदों/विधायकों की निधि से कराया जा सका है। जिसका लोकार्पण दिनांक 8 नवम्बर 2002 को प्रो0 राजेन्द्र सिंह 'रज्जू भइया', उत्तर प्रदेश के तत्कालीन राज्यपाल महामहिम विष्णुकान्त शास्त्री, केन्द्रीय मंत्री माननीय वेदप्रकाश गोयल, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक डॉ0 शंकर तत्ववादी जी एवं सुरेश जोशी 'भैयाजी' की उपस्थित में सम्पन्न हुआ था।

यहाँ पर हमारे सेवाभावी चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की टीम है जो बाहर से आने वाले रोगियों को उनके रोग को देखते हुए उन्हें उचित परामर्श देती है और पी.जी.आई. में उनकी चिकित्सा कहाँ और किस रूप में होगी मार्गदर्शन करती है। आवश्यकता होगी तो उनके प्रवेश (भर्ती) कराने में यथासम्भव मदद भी करती है। इसी विभाग के अन्तर्गत रुग्ण सेवा केन्द्र भी है जहाँ इस परिसर में आवासित तीमारदार दूरदराज से ग्रामीण अंचलों से आने वाले बन्धु अपना सामान्य परीक्षण तथा चिकित्सा सुविधा प्राप्त कर सकेंगे। वर्तमान में धर्मार्थ होम्यो चिकित्सालय शनिवार को छोड़कर प्रतिदिन 9 बजे से अपराह्न 1 बजे तक चलता है तथा प्रत्येक शनिवार को एलोपैथिक चिकित्सा सुविधा सचल चिकित्सा वाहन द्वारा उपलब्ध करायी जाती है।

योग केन्द्र

सर्वविदित है कि योग--पद्धति में रोगों के उपचार में आश्चर्यजनक सफलता मिलती है, यहाँ पर एक ऐसा ही योग केन्द्र स्थापित किया गया है। जिसका संचालन विश्व प्रसिद्ध स्वामी विवेकानन्द योग चिकित्सा एवं अनुसंधान विश्वविद्यालय बंगलौर द्वारा होता है। इस योग केन्द्र का शुभारम्भ प्रथम बार दिनांक 7 नवम्बर 2002 को उक्त संस्थान के कुलपति डॉ0 नागेन्द्र जी द्वारा किया गया। जिसे 18 जुलाई 2004 को रामकृष्णमठ के अध्यक्ष स्वामी मुक्तिनाथानन्द जी की गौरवमयी उपस्थिति में इस केन्द्र का नाम 'विवेकानन्द योग प्रतिष्ठान' रखा गया और इसी दिन से योग नियमित कक्षायें एवं योग प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। अब यह योग केन्द्र उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद का मान्यता प्राप्त अध्ययन केन्द्र बना हुआ है। इन दिनों यह योग केन्द्र किन्हीं अपरिहार्य कारणों से क्रियाशील नहीं है। जिसे कुछ दिनों बाद पुनः प्रारम्भ किया जायेगा। इस योग केन्द्र के भवन का शिलान्यास एवं भूमि पूजन पिछले 13 अक्टूबर 2017 को पूज्य महन्त स्वामी नृत्य गोपालदास जी महाराज (अयोध्या) के कर कमलों द्वारा एवं माननीय राजनाथ सिंह जी,

तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी तथा माननीय भुवन चन्द्र खण्डूडी पूर्व मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड के पुनीत सान्निध्य में सम्पन्न हुआ। यह विशाल सभागार सेठ चम्पकलाल पारेख की स्मृति में बनकर तैयार हुआ। इसका लोकार्पण 31 जुलाई 2011 को तत्कालीन उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री डॉ0 रमेश पोखरियाल 'निशंक' एवं महन्त नरेन्द्र गिरि की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। दिनांक 1 जुलाई 2017 को इस सभागार को ध्वनिरोधी सभागार के रूप में परिवर्तित कर इसका लोकार्पण माननीय राज्यपाल उ0प्र0 श्री रामनाईक जी द्वारा कराया गया।

साधना केन्द्र

"सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः" की भावना से आश्रम के वातावरण को पवित्रता तथा आध्यात्मिक स्वरूप प्रदान करने के लिए "ध्यान मण्डपम्" की स्थापना एवं योग–साधना केन्द्र का विकास किया गया है इस सभागार में नियमित सामूहिक ध्यान, प्रार्थना, जप, भजन, प्रवचन आदि के कार्यक्रम निरन्तर चलेंगे।

इस आश्रम में अनेक संत महात्माओं का समय–समय पर पदार्पण भी हुआ है। जिनमें प्रमुख रूप से स्वामी सत्यमित्रानन्द गिरि महाराज, स्वामी पुण्यानन्द गिरि महाराज, स्वामी गिरीशानन्द जी, स्वामी चिदानन्द मुनि जी शामिल हैं।

माधव सेवा आश्रम में खिचड़ी भोज : 21 जनवरी 2018

सामाजिक समरसता के उद्देश्य से वर्ष 2017–18 में भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा प्रस्थापित रायबरेली रोड स्थित एस.जी.पी.आई. के सामने माधव सेवा आश्रम में पूर्व वर्षों की भाँति खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 1200 लोगों ने खिचड़ी भोज किया।

माधव सेवा आश्रम में उपलब्ध सेवाओं का विवरण

क्र.	कक्ष विवरण	हाल संख्या	कक्ष संख्या	बेड संख्या
1.	कमरा 5 बेड वाला (अटैच बाथरूम)	06	30	
2.	कमरा 4 बेड वाला (अटैच बाथरूम)		02	08
3.	कमरा 4 बेड वाला (नान अटैच बाथरूम)		08	32
4.	कमरा 3 बेड वाला (अटैच बाथरूम)		09	27
5.	कमरा 3 बेड वाला (नान अटैच बाथरूम)		13	39
6.	कमरा वीआईपी 3 बेड वाला (अटैच बाथरूम)		01	03
7.	कमरा 2 बेड वाला (अटैच बाथरूम)		23	46
8.	कमरा 2 बेड वाला (नान अटैच बाथरूम)		19	38
9.	डारमेट्री (नान अटैच बाथरूम)	07	–	75
10.	कमरा 4 बेड वाला (अटैच बाथरूम)		20	80
	कुल	**07**	**101**	**378**

आश्रम की जानकी रसोई में रू. 10/– में जलपान एवं रू. 25/– में भोजन उपलब्ध है।

दान पर आयकर की छूट

न्यास को आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80 G(5) (VI) के अन्तर्गत आदेश संख्या के. सं. 58–59/204/25/2010–2011/तक./आ, आ,1/लखनऊ/दि. 08.06.2010 के अनुसार यह छूट सतत प्राप्त है।

न्यास को विदेशी सहायता प्राप्त करने हेतु एफ.सी.आर.ए. सन् 1976 के अन्तर्गत गृह मंत्रालय भारत सरकार के पत्र सं.नं. II/21022/73 (15)/2000-FCRA-III दिनांक 30.06.2000 के अनुसार मान्यता प्राप्त। रजिस्ट्रेशन नं. 136550134 है। वैधता तिथि 31.10.2021 है।

न्यास का पैन नं. AAATB1049G है।

विशेष

प्रबल ध्येय जिनका रहा,
जन–सेवा निष्काम।
जन–मन को प्रेरित रखें,
जिनके मधुरिम काम।।

नैतिक–मूल्यों के धनी,
राष्ट्र–भक्त अभिराम।
रह अविचल सिद्धान्त–रत,
जीवन दीप ललाम।।

सुख की इच्छा त्याग कर,
ध्येय चुना उपकार।
निबलों से निशिदिन किया,
करूणामय व्यवहार।।

मान्य 'देवरस' जी रहे,
राष्ट्र–भक्त अविराम।
'व्यस्त' सुखद सद्–वृत्ति से,
धन्य किया निज नाम।।

रमेशबाबू शर्मा 'व्यस्त'
सी–61, सूरजमल
विहार, दिल्ली–92

भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा प्रकाशित मासिक पत्र

सेवा संवाद

सम्पादकीय कार्यालय : **भाऊराव देवरस सेवा न्यास**
सी-91, निरालानगर, लखनऊ-226020
दूरभाष : 0522-4001837, 2789406 मोबाइल : 9793120738
Email : sewasamwad@gmail.com

ग्राहक सदस्यता प्रपत्र

सेवा में,

प्रबन्धक,
'सेवा संवाद'
भाऊराव देवरस सेवा न्यास
सी-91, निरालानगर, लखनऊ-226020

महोदय,

मैं/हमारी संस्था आपकी मासिक पत्रिका सेवा संवाद का वार्षिक/जीवन सदस्य बनने का इच्छुक हूँ/हैं। इस निमित्त वार्षिक शुल्क **200/-** अथवा आजीवन शुल्क **2000/-** रुपये **'सेवा संवाद'** के पक्ष में नकद/बैंक ड्राफ्ट/चेक सं. ..... दिनांक ..... बैंक .... द्वारा भेज रहा हूँ/रहे हैं। कृपया स्वीकारें। प्राप्ति की रसीद तथा पत्रिका हमारे निम्न पते पर प्रेषित करने की कृपा करें।

ह0 आवेदक

हमारा पता है :
नाम : .....
पता : .....
.....
.....
.....
जिला: ..... पिनः .....
प्रदेश :
मोबाइलः .....

आलोक : चेक/ड्राफ्ट 'सेवा संवाद' के पक्ष में जारी करें अथवा बैंक आफ इण्डिया, निरालानगर, लखनऊ के खाता सं. 680610110000102 (IFSC : BKID0006806) में सीधे जमा कर जमा पर्ची की छायाप्रति के साथ सूचित करें।

24वाँ भाऊराव देवरस स्मृति - सेवा सम्मान समारोह

28 मार्च 2019 भाऊराव देवरस सेवा न्यास के तत्त्वावधान में 24वाँ भाऊराव देवरस स्मृति–सेवा सम्मान समारोह माधव सभागार, सरस्वती कुंज, निराला नगर, लखनऊ में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के माननीय राज्यपाल राम नाईक, अध्यक्ष माननीय डॉ0 अवधेश प्रसाद सिंह, उपाध्यक्ष माननीय ओमप्रकाश गोयल, स्वागताध्यक्ष श्री श्याम बागड़ी, कार्यक्रम के संयोजक श्री राम अवतार किला, सहसचिव श्री राहुल सिंह एवं मंचस्थ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन, पुष्पार्चन के साथ अतिथि परिचय एवं माल्यार्पण से हुआ।

इस अवसर पर समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान करने वाले सेवा व्रतियों श्री विश्वनाथ प्रधान और श्री पुरुषोत्तम पाडुरंग कामत को मा0 राज्यपाल तथा मंचस्थ अतिथियों द्वारा प्रशस्ति–पत्र, अंगवस्त्र, श्रीफल, पुष्पगुच्छ, प्रतीक चिह्न न्यास द्वारा प्रकाशित साहित्य और एक–एक लाख रूपये की विनम्र सम्मान राशि देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित सेवा व्रतियों को प्रदत्त सेवा सम्मान पत्र का वाचन डॉ0 शिव भूषण त्रिपाठी तथा डॉ0 इन्द्रपाल शर्मा ने किया।

न्यास का परिचय कार्यक्रम के प्रारम्भ में ही एक लघु फिल्म के माध्यम से कराया गया, जिसमें भाऊराव (मुरलीधर दत्रात्रेय देवरस) जी के प्रतिभाशाली व्यक्तित्व, शिक्षा–दीक्षा, उनके द्वारा किये गए विशिष्ट सेवाओं के उल्लेख के साथ ही न्यास की स्थापना समय, उद्देश्य, शिक्षा–स्वास्थ्य और सेवा सम्बंधी विविध कार्यों और प्रकल्पों की प्रेरणादायी जानकारी दी गई।

सेवा सम्मान से सम्मानित कर्नाटक प्रान्त के कारवार जिलान्तर्गत स्थित 'माजाली' की पावन भूमि से सेवाव्रती श्री विश्वनाथ प्रधान जी ने सेवा सम्मान के लिए 'भाऊराव देवरस सेवा न्यास' के प्रति आभार व्यक्त करते हुए निरन्तर सेवा कार्यों में लगे रहने के अपने संकल्प को दोहाराया और कहा कि मैं नहीं जानता मुझे क्या बोलना है पर संघ से प्राप्त शिक्षा–दीक्षा के अनुसार हमें बीहड़ से बीहड़ जंगल में छोड़ दीजिए, अथवा कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी हमें जो कार्य करना है हम उसके लिए मार्ग प्रशस्त कर लेगें। एक दिव्यांग बच्चे का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि उसकी सहायता के लिए कोई आगे नहीं आया पर जब मैंने उसकी सहायता के लिए आगे कदम बढ़ाया तो उसके बाद आज यह स्थिति है कि हजारों लोग सहायता के लिए आ गये हैं। उन्होंने एक महत्वपूर्ण उल्लेखनीय बात कही कि जिस दिन समाज का देवता प्रकट हो जाएगा उस दिन कुछ भी करना कठिन न होगा।

ओडिसा प्रान्त, कन्धमाल जनपद के 'कतिंगिया ग्राम में स्थित कन्धा जनजातीय परिवार के सम्मानित सेवाव्रती श्री पुरूषोत्तम पाडुरंग कामत जी ने सम्मान के लिए न्यास के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हम सब की प्रथम गुरु माता होती हैं। माता–पिता से हमें अच्छे संस्कार मिले यह दैव योग है। हमें अपने माता–पिता से अच्छा संस्कार मिला साथ ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का सानिध्य मिला यह भाग्य की बात है। संघ की प्रेरणा से ही मैं दुर्गम स्थानों पर जाकर कठिन से कठिन सेवा कार्यों को संपन्न करने की दिशा में निःस्वार्थ भाव से लगा हूँ। सेवा कार्यों में आनन्दानुभूति करता हुआ आगे और अधिक सजगता से सेवा का कार्य करूँगा।

समाज रूपी देवता की सेवा करना, उनको प्रसन्न रखना ही परमात्मा की सेवा है, ईश्वर की पूजा और उपासना है। मानवता के कल्याण की मंगलमय भावना के साथ उन्होंने सभी के प्रति शुभकामना सन्देश के साथ अपनी वाणी को विराम दिया।

कार्यक्रम का संचालन श्री राहुल सिंह जी ने किया समारोह के अन्त में न्यास के श्री जितेन्द्र अग्रवाल द्वारा मंचस्थ सम्मानित अतिथियों मा. राज्यपाल महोदय, श्रद्धेय भाई जी ब्रह्मदेव शर्मा, श्री रामनिवास जैन सभाकक्ष में उपस्थित विधा भारती के मा0 यतीन्द्र जी सेवा भारती के पदाधिकारीगण, के.जी.एम.यू. के कुलपति डॉ0 एम.एल.बी. भट्ट जी, डॉ0 संदीप तिवारीएवं डॉ0 अशोक वाजपेयी राज्यसभा सांसद, श्रीमती रीता बहुगुणा जोशी कैबिनेट मंत्री, नगर के अन्य उपस्थित सभी सम्मानित नागरिकों संघ के अधिकारी व कार्यकर्ता, छायाकार, मीडिया पत्रकार आदि सभी बन्धुओं के प्रति आभार ज्ञापन के बाद राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

राष्ट्र एवं महाकवि अटल बिहारी वाजपेई विषय पर केन्द्रित बाल कवि सम्मेलन

सृजनशीलता सहज नहीं होती वह विशिष्टों में विशिष्टता है। समाज को दिशा देने का कार्य सदा से ही कवियों के हाथों में रहा है। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए पदमश्री ब्रह्मदेव शर्मा 'भाई' जी ने कहा कि -- बाल कवि के अन्दर की प्रतिभा द्वारा भाव से रचना करने के कारण वह राष्ट्रभाव मानवता के लिए उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं। भाऊराव देवरस सेवा न्यास लखनऊ के तत्वाधान में अमृत विशाल कक्ष, सरस्वती शिशु मन्दिर निराला नगर लखनऊ में 'बाल कवि सम्मेलन' कार्यक्रम में समारोह को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय परिदृश्य पर अटल बिहारी वाजपेयी के कविता को बाल कवियों को दिशा प्रदान करने वाला बताया और समाज को चेतना प्रदान करने में सृजनशीलता की महत्ता को अपने उद्गार में व्यक्त किये।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ0 चक्रधर नलिन जी ने कहा कि अपनी साहित्य साधना के कारण अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरलता व सज्जनता जग जाहिर है। वे मूलतः कवि थे। राजनीति के मध्य में आना तो संयोग था। वाजपेयी जी अपनी कविताओं के द्वारा कविमंचों पर झंडा गाड़ा। क्योंकि उन्होंने देश की आवाज को अपनी कविता के माध्यम से प्रस्तुत किया। हिन्दी के प्रति उनका अटूट प्रेम था। वे साहित्य को राजनीति से श्रेष्ठ मानते थे। उनका लिखा साहित्य जिस भाव से ओत प्रोत है वह हम सबके लिए प्रेरणा स्रोत है। जब तक भारत जिन्दा रहेगा तब तक बाजपेयी जी का साहित्य में नाम रहेगा।

बाल समारोह में 22 बाल कवियों ने प्रतिभाग किया जिसमें धनेश्वर द्विवेदी ने अपनी कविता अटल जी, रामचन्द्र ममगाई ने राष्ट्र व अटल जी, अनन्या शर्मा ने राष्ट्र, अम्बर श्रीवास्तव ने राष्ट्र, मृगेन्द्र राज ने अटल जी व माँ, मृत्युन्जय बाजपेयी ने अटल जी, श्रेयांश शर्मा ने अटल जी, प्रभव सक्सेना ने राष्ट्र, माण्डवी कर्ण ने अटल जी, अंगद मिश्रा ने अटल जी, हर्षित सिन्हा ने अटल जी, आयुश ने राष्ट्र, मोहन शंकर ने अटल जी, शीर्षक से व अन्य बाल कवियों ने अपनी स्वरचित कविताओं का सस्वर पाठ किया। न्यास की ओर से सभी बाल कवियों को स्मृति चिन्ह, अंग वस्त्र तथा प्रमाणपत्र प्रदान किये गये।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संदीप शिवहरे, शैलेन्द्र शर्मा, रमा शंकर, डॉ. विष्णु सिंह, डॉ. सौरभ पाल, शम्भवी कर्ण तथा जितेन्द्र उपस्थित थे। आये हुए अतिथियों का स्वागत तथा न्यास का परिचय वृत्तचित्र के माध्यम से डॉ. विनीत कुमार ने दिया। कार्यक्रम का प्रारम्भ सरस्वती शिशु मन्दिर निराला नगर के विद्यार्थियों के द्वारा किया गया तथा समापन वंदेमातरम के द्वारा हुआ तथा धन्यवाद ज्ञापन तीरथ राम वर्मा ने किया।

स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प, अमेठी

भाऊराव देवरस सेवा न्यास के वरिष्ठ न्यासी ब्रह्मदेव शर्मा भाईजी की प्रेरणा एवं दिशा–निर्देशन से अमेठी जिले की 3 तहसील–अमेठी, गौरीगंज एवं जगदीशपुर के चारों ब्लाकों–संग्रामपुर, भेटुआ, अमेठी, शादर को गरीब एवं निर्बल वर्गों के सामाजिक उत्थान हेतु न्यास ने गोद लिया है। संस्था द्वारा स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के सामाजिक कार्य किये जा रहे हैं। जिसमें निःशुल्क नेत्र शिविर, निःशुल्क विकलांग सेवा शिविर, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर एवं वृक्षारोपण का कार्य किया जा रहा है। अब तक अमेठी जनपद के 37 गाँवों में 37 निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा शिविर आयोजित किये जा चुके हैं। जिसमें मोतियाबिन्द आपरेशन हेतु 1123 रोगी, 2870 रोगी चश्में के लिए चयनित किये गये हैं। जिसमें से अब तक 411 मोतियाबिन्द रोगियों का आपरेशन किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) लखनऊ में किया जा चुका है। इसी प्रकार संस्था द्वारा कुल 1097 लोगों को नजर का चश्मा वितरित किये जा चुके हैं।

भाऊराव देवरस सेवा न्यास एवं केजीएमयू, लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित स्वास्थ्य शिविरों में अब तक कुल 10193 रोगी लाभान्वित हो चुके हैं जिसमें 2612 सामान्य मरीज, 780 न्यूरो रोगी, 378 महिला रोगी, 182 चर्मरोगी, 143 पेट के रोगी तथा 597 हड्डी के रोगी लाभान्वित हो चुके हैं। अमेठी जिले के ग्रामीण क्षेत्र में प्रत्येक शुक्रवार स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया जाता है। सभी शिविरों का आयोजन किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) लखनऊ के चिकित्सकों के सहयोग से ही किया जाता है।

दिव्यांग सहायक उपकरण वितरण समारोह (26 मई 2016 एवं 22 दिसम्बर 2016)

भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा अपने स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प के माध्यम से विगत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी दिनांक 26 मई 2016 को ग्राम भारती विद्यालय, परतोष, धम्मौर अमेठी में भाऊराव देवरस सेवा न्यास एवं सामाजिक कल्याण एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क दिव्यांग सहायक उपकरण वितरण समारोह का आयोजन किया गया।

इस शिविर में **780 ट्राई साइकिल, 78 व्हील चेयर, 536 बैसाखी, 172 वाकिंग स्टिक, 29 ब्लाइंड स्टिक, 1 रोलेटर ट्राई साइकिल, 4 कुष्ठ रोगी किट, 4 सेलफोन(कुष्ठ रोगी), 210 कान की मशीन, 36 सेल मशीन, 5 मन्द बुद्धि बच्चों का किट, 12 स्मार्ट** के सहित कुल **97 कृतिम उपकरण (कैलीपर्स)** सहित कुल **1144 दिव्यांगों** को सहायक उपकरण प्रदान किये गये।

इसी प्रकार दिनांक 22 दिसम्बर 2016 को राजकीय इण्टर कालेज, रायबरेली में भाऊराव देवरस सेवा न्यास एवं सामाजिक कल्याण एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क दिव्यांग उपकरण वितरण समारोह का आयोजन किया गया।

इस शिविर में **2192 ट्राई साइकिल, 291 व्हील चेयर, 1416 बैसाखी, 190 वाकिंग स्टिक, 19 रोलेटर ट्राई साइकिल, 148 कान की मशीन, 12 मंद बुद्धि बच्चों का किट, 99 स्मार्ट केन, 12 ब्रेल किट, 120 ब्रेल केल, 16 ब्रेल स्लेट, 01 डीजी प्लेयर,** विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को **04 सीपी चेयर** एवं **73 एमएसआईडी किट** सहित कुल **2907 दिव्यांगो** को सहायक उपकरण प्रदान किये गये।

वृक्षारोपण कार्यक्रम

भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा अमेठी जनपद मे समूहिक वृक्षारोपण का कार्य केन्द्रीय कपड़ा मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी की उपस्थिति में प्रारम्भ किया गया। इस कार्यक्रम में फलदार एवं छायादार दोनों प्रकार के पौधों को लगाया जा रहा है। अभी तक धम्मौर एवं जगदीशपुर, अमेठी में विभिन्न स्थानों पर लगभग 40,000 पौधों का वितरण किया जा चुका है। यह कार्यक्रम स्थानीय जनता के सहयोग से किया जा रहा है। संस्था का लक्ष्य लगभग एक लाख वृक्षों का वृक्षारोपण करने का है।

पावन स्मृति

{पुण्य भूमि भारत में जन्म लेकर जिन्होंने जीवन पर्यन्त मानव की सेवा और मानवता की रक्षा में अपना सर्वस्व समर्पित कर कीर्तिमान स्थापित किया, अपने बहुआयामी कार्यो द्वारा जीवन के विविध क्षेत्रों में आलोक स्तम्भ बनकर हमारा मार्गदर्शन किया तथा जो आज भी हमारे प्रेरणा स्रोत हैं ऐसे उन तमाम दिव्य महापुरूषों की पावन स्मृति में श्रद्धा सुमन समर्पित है–सम्पादक}

दिनांक	दिवस	महापुरुष का नाम
2 मई	जन्म–दिवस	साहित्य व राजनीति के समन्वयक आचार्य विष्णुकान्त शास्त्री
3 मई	पुण्य–तिथि	बहुमुखी प्रतिभा के धनी प्रमोद महाजन
7 मई	जन्म–दिवस	विश्वकवि : रवीन्द्रनाथ टैगोर
8 मई	बलिदान–दिवस	अल्लूरि सीताराम राजू का बलिदान
9 मई	जन्म–दिवस	आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी
10 मई	इतिहास–स्मृति	जब क्रान्ति का बिगुल बज उठा
14 मई	पुण्य–तिथि	उत्कृष्ट लेखक : भैया जी सहस्रबुद्धे
15 मई	जन्म–दिवस	अमर बलिदानी : सुखदेव
18 मई	जन्म–तिथि	तपस्वी राजमाता : अहिल्याबाई होल्कर
18 मई	स्मृति–दिवस	प्रथम सर्वेक्षक नैनसिंह रावत का सम्मान
20 मई	पुण्य–तिथि	स्वदेशी आन्दोलन के प्रवर्तक विपिनचन्द्र पाल
21 मई	जन्म–दिवस	प्रेरणा पुरूष : राजाभाऊ सावरगाँवकर
22 मई	बलिदान–दिवस	अमर बलिदानी : मुरारबाजी
22 मई	जन्म–दिवस	समाज सुधारक : राजा राममोहन राय
23 मई	इतिहास–स्मृति	कालपी का संघर्ष
24 मई	पुण्य–तिथि	आतंकवाद में दृढ़ चट्टान श्री विश्वनाथ जी
24 मई	जन्म–दिवस	समर्पण और निष्ठा की प्रतिमूर्ति के. जनाकृष्णमूर्ति
25 मई	जन्म–दिवस	क्रान्तिकारी रासबिहारी बोस
26 मई	जन्म–तिथि	निष्ठावान कार्यकर्त्ता : हो.वे. शेषाद्रि
27 मई	बलिदान–दिवस	प्रताप सिंह बारहठ का बलिदान
28 मई	जन्म–दिवस	क्रान्तिकारियों के सिरमौर वीर सावरकर
29 मई	बलिदान–दिवस	हैदराबाद सत्याग्रह के बलिदानी नन्हू सिंह
30 मई	बलिदान–दिवस	श्री गुरू अर्जुनदेव जी का बलिदान

नेत्र कुम्भ नेत्र ज्योति यज्ञ का महाकुम्भ

''कुम्भ मेला'' युनेस्को की प्रतिनिधि सूची में मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में अंकित है। यह आस्था की सामूहिक तीर्थ यात्रा एवं समाज के सभी आर्थिक एवं आयु वर्गो का समायोजन है। कुम्भ मेला मानवता एवं दिव्यता का संभुवन्त उपाख्यान दर्शाता है। यह आत्मबोध का प्रतीक है।

भारत में अंधता प्रचुर मात्रा में एक अभिशाप की तरह है, अन्धता के मुख्य कारण मूलतः मोतियाबिन्द, समलबाई, आँख की झिल्ली की अपारदर्शिता, ट्रेकोमा (कुकरे) जन्मजात अन्धता एवं अन्कोसरकियासिस है। इन सभी में से लगभग 75 प्रतिशत ऐसे हैं जिनको रोका जा सकता है।

हमारा संकल्प

हम जानते हैं कि पवित्र संगम में स्नान करने वाले लाखों बन्धु–बहिनें ऐसे भी आते हैं जो अपनी ग्रामीण एंव निर्धन परिस्थितियों में चश्मा नहीं ले पाते। हमारा संकल्प है कि हम अपने बन्धु–बहिनों की सेवा कर आँखों की समुचित जाँच कर उन्हें चश्में प्रदान करें। हमारा अनुमान है कि हम लगभग एक लाख लोगों को चश्मा देकर स्वयं को धन्य अनुभव करेंगे और उनको संभावित अन्धता से दूर रखने में निश्चय ही सफल होंगे। यह मानवीय कार्य ''सक्षम'' और उसके सहयोगी संस्थान नेशनल मेडिकोज आर्गेनाईजेशन, कोलमेट हॉस्पिटल, अंत्योदय हेल्थ मिशन (भाऊराव देवरस सेवा न्यास) तथा रज्जू भइया न्यास के द्वारा सम्पन्न किया जा रहा है।

आपकी शुभकामनाएं हमारा मार्ग प्रशस्त करेंगी।

संगम स्नान–नेत्र दान

एक अनुमान के अनुसार भारत में 46 लाख लोग कार्नियल अंधेपन से ग्रसित हैं। इनका इलाज सिर्फ कार्नियल प्रत्यारोपण के द्वारा ही संभव है।

अपनी आँखों को दान करके ''दृष्टि का अधिकार'' नेत्र कुम्भ को सफल बनायें। यह अन्धता मुक्त भारत के लिए हमारा लक्ष्य है किसी की आँखों को रोशनी देकर शाश्वतता प्रदान की जाए।

श्री राजेश जी को नेत्र कुम्भ भूमि का औपचारिक आवंटन पत्र सौंपते हुये कुम्भ मेलाधिकारी श्री विजय किरन आनन्द

नेत्र कुम्भ प्रयागराज 2019 का भूमि पूजन दिनांक 9 दिसम्बर 2018

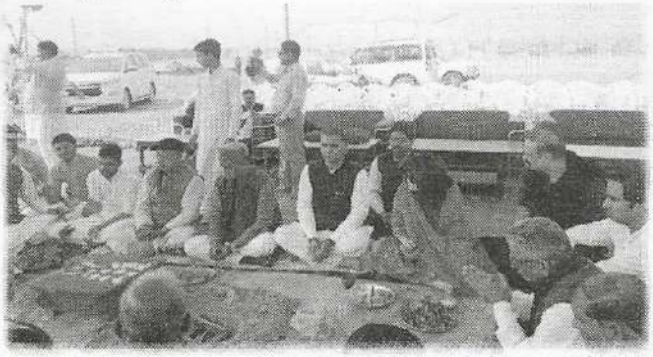

9 दिसम्बर 2018 दिन रविवार समय 11 बजे नेत्र कुम्भ परिसर सेक्टर 6 बंजरग दास मार्ग नागवासुकी मन्दिर से उत्तर नागवासुकी थाने के सामने कुम्भ मेल प्रयागराज में भूमि पूजन का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ काशी प्रान्त के प्रान्त प्रचारक श्री मान्य रामेश जी सह प्रान्त–कार्यवाह आलोक मालवीय, नेत्र कुम्भ आयोजन समिति के डॉ. गिरीश चन्द त्रिपाठी, डॉ. उदयभान यादव, डॉ. एस.पी. सिंह, डॉ. अश्वनी मेहता तथा संचालन समिति के श्री राजेश जी, डॉ. अभिनव अस्वाल, डॉ. रश्मि मेहता, श्री सत्य विजय, कमालाकन्त पाण्डेय मेला प्रशासन से सेक्टर मजिस्ट्रेट श्री रामआसरे वर्मा एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

"जीवन का मूल्य इसकी अवधि में नहीं, बल्कि उसके दान में है। दान करना सुदृढ़ता का परम संकेत है। लोगों को याद रखना चाहिए कि किसी की मदद करने के लिए एक बहुत बड़े दान की नहीं वरन् छोटे–छोटे अनेकों दान की आवश्यकता है। जीवन का प्रमाण इसकी अवधि नहीं है बल्कि इसका दान है।"

आँखे दान करने की कोई उम्र सीमा नहीं है। आइये आँखों के लिए प्रतिज्ञा करें।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्वास्थ्य सेवा केन्द्र

ग्राम परतोष, अमेठी (उ.प्र.)

अनुरोध

जिनकी कथनी और करनी में सदैव एकरूपता रही हो, जिन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन मातृभूमि के चरणों में अर्पित कर दिया हो, जो अकृत्रिमता से दूर, सहज, स्वाभाविक, सादा रहन-सहन और उच्च विचारों के धनी रहे हों, ऐसे समाज सेवी, कुशल संगठक, राष्ट्रभक्त श्रद्धेय पं. दीनदयाल उपाध्याय का जन्म 25 सितम्बर 1916 ई. को नगला चन्द्रभान, फरह, मथुरा (उ.प्र.) में हुआ था। बाल्यकाल से ही वे संवेदनशील रहे। उनके हृदय में समाज के निर्बल, पिछड़े, बनवासी, ग्रामीण, अनाश्रित, वृद्ध, अनपढ़-बालक, रोगी-पीड़ित सभी के प्रति मानवीय करुणा थी, उनके एकात्म मानव दर्शन और अन्त्योदय की भावना तथा समाज और राष्ट्र को समुन्नत करने के स्वप्न को साकार बनाने तथा आगे बढ़ाने की पवित्र भावना के साथ पंडित दीनदयाल जी की जन्मशती पर उनके प्रति आदर-सम्मान व्यक्त करने के लिए ग्राम परतोष, जिला अमेठी में पं. दीनदयाल उपाध्याय स्वास्थ्य सेवा केन्द्र की स्थापना का निर्णय लिया गया। इस निमित्त 20400 वर्गफुट जमीन क्रय कर ली गई है। अगला महत्त्वपूर्ण चरण निर्माण कार्य का है, जिसके लिए सहयोगी बन्धुओं से आर्थिक सहकार प्राप्त हो रहे हैं। इस महान यज्ञ कार्य में आहुति के लिए आप भी अपने सहकार से अनुगृहीत करें, यही आपसे विनती और प्रार्थना है।

कृपया अपनी सहयोग राशि भाउराव देवरस सेवा न्यास के पक्ष में चेक/ड्राफ्ट जो लखनऊ में देय हो, भेजने की कृपा करें। अथवा RTGS/NEFT के लिए Bhaorao Deoras Seva Nyas A/c No. 30448433657 State Bank of India, Daliganj (Niralanagar) Lucknow (IFSC Code: SBIN0003813) में धनराशि जमा कराकर अपने पैन नं. एवं पते के साथ कार्यालय के पते (सी-91, निरालानगर, लखनऊ-226020 दूरभाष 0522-4001837 मो. 9450020514) पर हमें सूचित करें।

– राजेश (संयोजक)

मो. 9793120738

भाऊराव देवरस सेवा न्यास को दिया गया दान आयकर अधिनियम की धारा 80G(5)(vi) के अन्तर्गत नियमानुसार करमुक्त है। न्यास का PAN AAATB1049G है।

दिव्यांगजनों को उपकरण वितरण कार्यक्रम

19 नवम्बर 2018, अमेठी

मंचासीन अतिथिगण सम्बोधन, मा. विजय साम्पला जी, राज्य मंत्री, सामाजिक एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार

पंजियन स्टॉल पर दिव्यांग बन्धु

माननीय अतिथि गणों द्वारा सहायक उपकरण वितरण

माननीय अतिथि गणों द्वारा सहायक उपकरण वितरण

वृद्धजनों के कृत्रिम दाँतों को लगाते हुए दंत सहायक

बच्चों तथा वृद्धजनों को आवंटित सहायक उपकरण

दिव्यांगजन को कृत्रिम हाथ लगाते हुए सहायक

कार्यक्रम में आये हुए दिव्यांग बन्धु

सेवार्थ एम्बुलेंस का उपहार

सांसद डॉ अशोक बाजपेई ने सांसद निधि से **दिनांक 9 दिसम्बर 2018 को एक नई एंबुलेंस नं. UP32-BG8410** भाऊराव देवरस न्यास, निराला नगर, लखनऊ को भेंट की। इस अवसर पर भाऊराव देवरस न्यास के संरक्षक श्री "भाई जी" ने बताया कि भाऊराव देवरस न्यास समाज के निर्धन तथा गरीब व्यक्तियों की सेवा के लिए बहुत वर्षों से कार्य कर रहा है। इस रोगी वाहन के मिलने से समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने में मदद मिलेगी। उन्होंने एंबुलेंस न्यास को भेंट करने के लिए सांसद डॉ अशोक बाजपेई को धन्यवाद दिया। सांसद डॉ अशोक बाजपेई ने न्यास के कार्यों की सराहना करते हुए आशा प्रकट की कि गरीबों तथा समाज के निर्धन व्यक्तियों की सेवा में इस रोगी वाहन का बेहतर उपयोग हो सकेगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ नरेन्द्र अग्रवाल ने बताया कि इस नए रोगी वाहन के मिलने से भाऊराव देवरस न्यास को समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर अपने मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ राजेन्द्र कुमार चौधरी, डॉक्टर सईद अहमद, जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ बी के सिंह, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर के पी त्रिपाठी, डॉ मिलिंद वर्धन, डॉक्टर एस के सक्सेना तथा डॉक्टर के. एन. शुक्ला भी उपास्थित थे।

भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के CSR फण्ड से ट्रैवलर गाड़ी UP32-LN4301 भाऊराव देवरस न्यास, निराला नगर, लखनऊ को दिनांक 4 जनवरी 2019 को प्रदान की गई।

भारत पेट्रोलियम द्वारा सहायता प्रदत्त वाहन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना करते हुए उत्तर प्रदेश के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री सिद्धार्थ नाथ सिंह जी एवं अन्य

बोलेरो गाड़ी UP32-KH5006 भाऊराव देवरस न्यास, निराला नगर, लखनऊ को दिनांक 13 दिसम्बर 2018 को प्रदान की गई।

अन्त्योदय प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा केन्द्र
प्रयागराज

केन्द्रीय मंत्री श्रीमती स्मृती ईरानी जी द्वारा नेत्रकुम्भ चिकित्सालय का अवलोकन

नेत्र-कुम्भ, प्रयागराज दिनांक 12 जनवरी-4 मार्च 2019

24वाँ भाऊराव देवरस स्मृति-सेवा सम्मान समारोह 2018-19

मा. अतिथिगण पुष्प अर्पित करते हुए

मा. राज्यपाल जी दीप प्रज्जवलन करते हुए

राष्ट्रगान के समय मंच पर उपस्थित मा. राज्यपाल जी एवं अन्य अतिथिगण

न्यास अध्यक्ष एवं सचिव मा. राज्यपाल महोदय को स्मृति चिन्ह देते हुए

राजेश जी, डा. अवधेश प्रसाद सिंह, न्यास अध्यक्ष जी को पुष्प गुच्छ देते हुए

दिनांक 28 मार्च 2019

श्री रामनिवास जैन जी मा. राज्यपाल महोदय को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए

मा. राज्यपाल महोदय द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए

डा. आई.पी.शर्मा जी, श्री पुरुषोत्तम पंडुरंग कामथ जी को सम्मान पत्र देते हुए

डा. शिवभूषण त्रिपाठी जी, श्री विश्वनाथ प्रधान जी को सम्मान पत्र देते हुए

सम्मान-समारोह में उपस्थित अतिथि-गण

नेत्रकुम्भ चिकित्सालय, निराला नगर, लखनऊ का शुभारम्भ 8 अप्रैल 2019

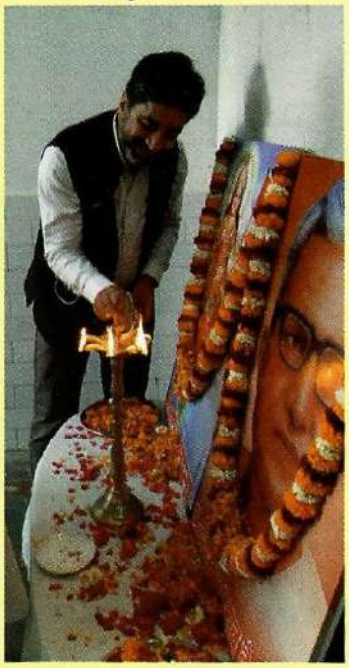

दिनांक 30 जनवरी 2019 को आयोजित

पण्डित दीन दयाल उपाध्याय की जीवन गाथा पर आधारित नौटंकी दीन-जन प्यारे

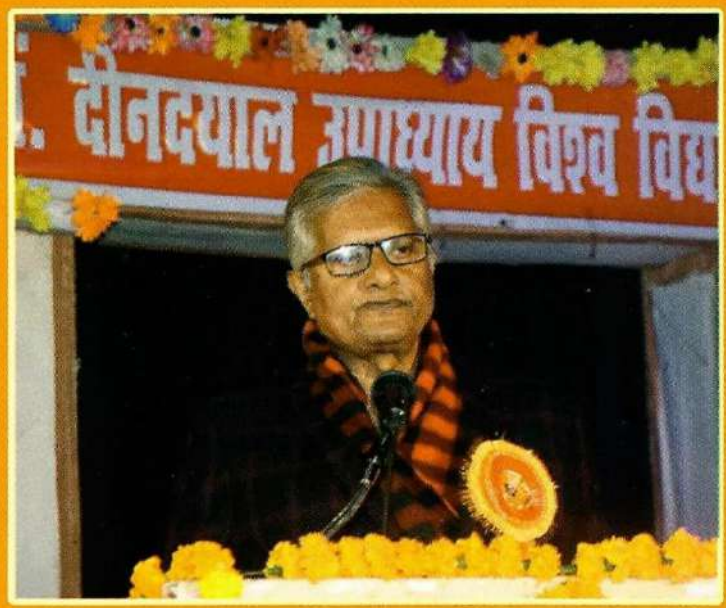

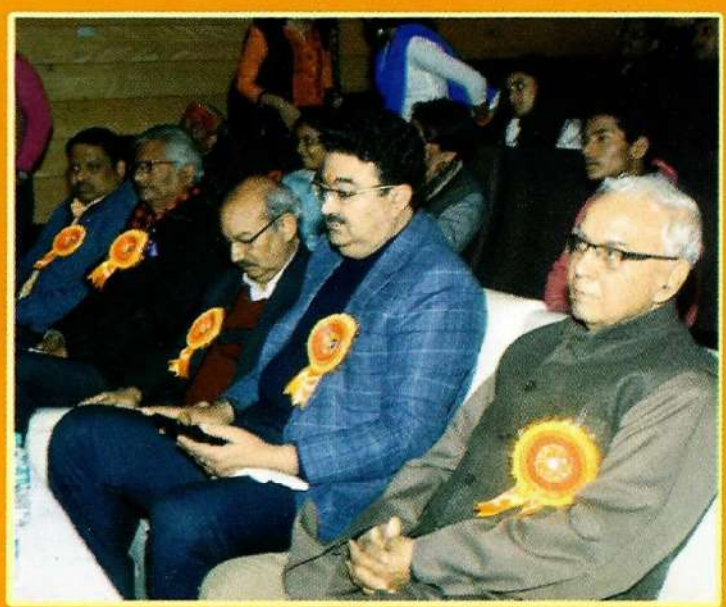

RNI No. UPHIN/2005/15853
सेवा संवाद मई 2019

डाक पंजीकरण क्र. SSP/LW/NP-136/2019-21
प्रेषित डाकघर – R.M.S. चारबाग, लखनऊ

कैलेण्डर वर्ष 2019–21
प्रेषण तिथि– प्रत्येक माह 26 व 30

कुल मुद्रित पृ. की सं. 44

भाऊराव देवरस के जन्मशती वर्ष पर भावोद्‌गार नामाक्षरी दिग्दर्शन

भा - भावमनोरम सर्वदा, प्रचुर रहे सुख-साध्य।
मन से अनुयायी जुटे, किया न कोई बाध्य।।

ऊ - ऊर्ध्वमुखी चिंतक रहे, रख अदम्य उत्साह।
निर्णय परम सटीक ले, स्वयं बनाई राह।।

रा - राष्ट्र-भक्ति रग-रग बसी, कर्मनिष्ठ निष्काम।
जन-सेवी अनुपम रहे, ध्येयशील अविराम।।

व - वचनों में माधुर्य था, आकर्षक व्यक्तित्व।
कथनी-करनी एक रख, पूर्ण किए दायित्व।।

दे - देश-धरा के नाम-हित, रहे सतत कटिबद्ध।
कर्म निरत अक्खिल रहे, बढ़े योजनाबद्ध।।

व - वसुधा के कल्याण में, रहे अडिग श्रमशील।
संघ प्रचारक रूप में, रहे प्रबल गतिशील।।

र - रचनाधर्मी थे परम, धर्मनिष्ठ प्रख्यात।
पावन भाव-विचार थे, प्रखर संत साक्षात।।

स - सत्-समाज निर्माण-हित, अथक रहे कटिबद्ध।
रहे अनवरत समर्पित, संघ-कार्य प्रतिबद्ध।।

रमेशबाबू शर्मा 'व्यस्त'
सी–61, सूरजमल विहार, दिल्ली–92

मुद्रक एवं प्रकाशक : श्री जितेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा भाऊराव देवरस न्यास, सी–91, निरालानगर, लखनऊ (उ.प्र.) के लिए बर्फानी इण्टरप्राइजेज, ए–1, गोविन्दा बिल्डिंग, शाहनजफ रोड, हजरतगंज, लखनऊ, से मुद्रित। सम्पादक : डॉ शिवभूषण त्रिपाठी